www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 304 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
30 जनवरी 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
मौसम
सूर्योदयः 06:53
सूर्यास्तः 05:46
अधिकतमः 21°00
न्यूनतमः 10°00

पेज 07

विशेष समाचार | हर सत्र से पहले हंगामा क्यों?... >>पेज 04 | दरोगा की पिस्टल छीनकर... >>पेज 06 | रणवीर सिंह के खिलाफ...

योगी कैबिनेट में अहम फैसले, इन्फ्रास्ट्रक्चर को मिलेगा मजबूत फंड

यूपी में टीचर्स शिक्षामित्र का होगा कैशलेस इलाज

लाभ

- मेरठ में बांग्लादेशी हिंदू बसाए जाएंगे, 12 फरवरी को आएगा बजट

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । योगी कैबिनेट की आज बैठक हुई, जिसमें 29 प्रस्ताव पास किए गए। सबसे बड़ा फैसला यूपी में माध्यमिक और प्राइमरी स्कूलों के टीचर्स और कर्मचारियों को लेकर हुआ। ये अब 5 लाख रुपए तक कैशलेस इलाज करा पाएंगे। माध्यमिक, बेसिक के साथ ही एडेड और सेल्फ फाइनेंस के कर्मचारियों को भी यह सुविधा मिलेगी। इससे करीब 12 लाख कर्मचारियों को फायदा होगा।

इसके अलावा, मेरठ के मवाना गोसाईं में 107 बांग्लादेशी विस्थापित हिंदू परिवार को बसाया जाएगा। शिक्षामंत्री संदीप सिंह ने बताया- बेसिक के 4 लाख 34 हजार 226 टीचर, एडेड के 13 हजार 380 टीचर, सेल्फ फाइनेंस के 4 लाख 72 हजार 735 टीचर, 1 लाख 42 हजार 928 शिक्षामित्र, 24 हजार 417 अनुदेशक, 7 हजार 479 कस्तूरबा गांधी के वार्डन, 97 लाख 344 रसोइया, 2,581 विशेष शिक्षक को फायदा मिलेगा। दरअसल, योगी सरकार का बजट सत्र 9 फरवरी से शुरू होगा। 12 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा। इससे पहले आज बैबिनेट की बैठक में बड़े प्रस्ताव पास किए गए। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने बताया- 2 लाख 97 हजार 589 माध्यमिक टीचर्स को भी कैशलेस का फायदा मिलेगा। इस योजना पर सरकार का करीब 420 करोड़ रुपए खर्च आएगा।

सीएम योगी ने गुरुवार को कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की। इसमें 29 प्रस्ताव पर सहमति बनी है।

कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश नगर योजना और विकास नियमावली-2014 (यथा संशोधित 2021) में बदलाव के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी है। इस फैसले से शहरी विकास के लिए जरूरी वित्तीय संसाधन अधिक प्रभावी ढंग से उपलब्ध हो सकेंगे।

कुछ बड़े प्रस्ताव

- लोकसेवा आयोग में पीसीएस-जे में 3 साल की प्रैक्टिस जरूरी होगी। अभी तक एक साल थी।
- अब ड्राइविंग लाइसेंस में जन्मतिथि बदलना, पहाड़ी क्षेत्र में गाड़ी चलाने की अनुमति देना, परमिट को ऑनलाइन किया जाएगा।
- हल्के कॉमर्शियल वाहनों पर दोपहिया, तीन पहिया, कैब, मैक्सी कैब, हल्के माल वाहनों पर एकमुश्त टैक्स व्यवस्था लागू होगी।
- 351 सहायक मोटर यान निरीक्षक के पद बनाए गए हैं। इसमें सीधी भर्ती होगी। इससे सरकार पर 25 करोड़ का भार आएगा।

अब आधार कार्ड से रुकेगी फर्जी रजिस्ट्री

संपत्ति पंजीकरण में छद्म व्यक्तियों (फर्जी) द्वारा की जाने वाली रजिस्ट्री को रोकने हेतु आधार प्रमाणीकरण लागू किया जाएगा। इसके अंतर्गत आधार संख्या धारकों की पहचान e-KYC के जरिए इलेक्ट्रॉनिक रूप में स्थापित करने और इलेक्ट्रॉनिक/आधार ई-हस्ताक्षर को ई-निष्पादन की परिभाषा में सम्मिलित किया गया। यह व्यवस्था 1 फरवरी से लागू की जाएगी। इससे पक्षकारों और गवाहों की पहचान का सत्यापन होगा।

जानिए इसके क्या फायदे हैं

- छद्म व्यक्तियों के पंजीकरण पर प्रभावी रोक लगेगी।
- पंजीकरण प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वसनीयता में वृद्धि होगी।
- भूमि/संपत्ति से संबंधित धोखाधड़ी के मामलों में कमी आएगी।
- डिजिटल पंजीकरण व्यवस्था को मजबूत करेगा।
- विवादों और कोर्ट केस में कमी आएगी।
- राज्य सरकार के डिजिटल गवर्नेंस लक्ष्यों की पूर्ति होगी।

योगी सरकार ने सीएम फेलोशिप वालों को सरकारी नौकरी में अधिकतम आयु सीमा में 3 साल की छूट देने को मंजूरी दी। एक साल फेलोशिप वालों को लिखित परीक्षा में 1.5 अंक, दो साल वालों को 3 अंक और 3 साल वालों को 4.5 बोनस अंक दिए जाएंगे। >> (शेष पेज 06 पर)

हाइकोर्ट बोला-शादी के बाद साथ नहीं रहे तो रजिस्ट्रेशन औपचारिकता

नई दिल्ली । दिल्ली हाइकोर्ट ने कहा कि शादी के बाद अगर पति पत्नी साथ नहीं रह रहे हैं तो शादी की रजिस्ट्रेशन एक औपचारिकता से ज्यादा कुछ भी नहीं है। जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस रेनू भटनागर की डिवीजन बेंच ने कहा कि इसका इस्तेमाल एक साल में तलाक लेने से इनकार करने के लिए नहीं किया जा सकता। हाइकोर्ट बुधवार को एक महिला की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। महिला ने फैमिली कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें शादी की तारीख से एक साल पूरा होने से पहले आपसी सहमति से तलाक के लिए ज्वाइंट याचिका पेश करने की अनुमति खारिज कर दी गई थी। याचिका में कहा गया कि दोनों पक्ष कभी एक दिन भी साथ नहीं रहे, शादी कभी पूरी नहीं हुई, और दोनों शादी के तुरंत बाद अपने-अपने माता-पिता के घरों में अलग-अलग रहने लगे।

पार्टी में मतभेदों के बीच थरूर खड़गे-राहुल की हुई मुलाकात

कहा- सब साथ मिलकर काम कर रहे, केरल चुनाव की मीटिंग में शामिल नहीं हुए थे

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस में पार्टी हाईकमान से मतभेद की खबरों के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की। तीनों के बीच बैठक संसद में खड़गे के कार्यालय में हुई। मुलाकात के बाद थरूर ने कहा कि मेरी पार्टी के दोनों नेताओं से बातचीत हुई। सब ठीक है। हम सब एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मैंने हमेशा पार्टी के लिए प्रचार किया है। यह मुलाकात ऐसे समय हुई, जब थरूर और पार्टी लीडरशिप के बीच कुछ मतभेद सामने आए थे। हाल ही में केरल विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर AICC की एक बैठक हुई थी, जिसमें थरूर शामिल नहीं हुए थे। >> (शेष पेज 06 पर)

खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात के बाद शशि थरूर ने ये तस्वीर शेयर की है।

कोर्ट ने कहा- इनका दुरुपयोग हो सकता है, केंद्र को नए सिरे से ड्राफ्ट करने के निर्देश

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में भेदभाव को रोकने के लिए यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन की ओर से जारी नए नियमों पर गुरुवार को रोक लगा दी है. पिछले काफ़ी समय से इन नियमों का विरोध हो रहा था। बीबीसी संवाददाता उमंग पोद्दार के मुताबिक़, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 'यूजीसी प्रमोशन ऑफ़ इक्विटी रेग्युलेशंस 2026' के प्रावधानों में प्रथम दृष्टया अस्पष्टता है । >> (शेष 06 पर)

> यूजीसी ने 13 जनवरी को नए नियम जारी किए थे, जिसका भारी विरोध हो रहा था, हालांकि सरकार ने कहा था कि 'इनका दुरुपयोग नहीं होने देंगे.'

सुप्रीम कोर्ट ने क्या-क्या कहा?

यूजीसी ने 13 जनवरी को नए नियम जारी किए थे, जिसका भारी विरोध हो रहा था, हालांकि सरकार ने कहा था कि 'इनका दुरुपयोग नहीं होने देंगे.' बीबीसी संवाददाता उमंग पोद्दार के मुताबिक, शीर्ष न्यायालय ने कहा है कि फिलहाल 2012 में यूजीसी के बनाए गए नियम ही लागू रहेंगे. यूजीसी के नए नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि नए नियम कुछ समूहों को अलग-थलग करने वाले हैं. थोड़ी देर चली सुनवाई के बाद अदालत ने कहा कि इस मुद्दे से जुड़े कुछ संवैधानिक और क़ानूनी सवालों की जांच की जानी बाकी है. >> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

हिमाचल में 3 दिन बाद फिर बर्फबारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में कल से वेस्टर्न डिस्टरबेंस दोबारा एक्टिव होगा। इसका असर 3 फरवरी तक रहेगा। खासकर, एक फरवरी को अधिक ऊंचे पहाड़ों में फिर भारी बर्फबारी और निचले इलाकों में तेज बारिश का पूर्वानुमान है। इस दिन सभी 12 जिलों में आंधी-तूफान का यलो अलर्ट दिया गया है।

जीत चुनाव

सौरभ जोशी चंडीगढ़ के नए मेयर बने

चंडीगढ । चंडीगढ़ के मेयर चुनाव में भाजपा की एकतरफा जीत हुई है। मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर तीनों पदों पर अब BJP का कब्जा हो गया है। नए मेयर सौरभ जोशी बन गए हैं। सीनियर डिप्टी मेयर जसमन-प्रीत सिंह और डिप्टी मेयर सुमन शर्मा चुने गए। मेयर चुनाव में भाजपा को 18 वोट मिले हैं। कांग्रेस उम्मीदवार को सात और आप उम्मीदवार को 11 वोट मिले है। वोटिंग से पहले ही कई पार्षदों ने तो भाजपा पार्षद सौरव जोशी को बधाई दे दी थी। सौरभ जोशी चंडीगढ़ के 29वें मेयर बने हैं। 2021 में चुने गए पार्षदों ने इस बार आखिरी बार मेयर चुना है।

पुलिस ने बाइक रोकी, विधायक के भाई दिखाने लगे धौंस

शिवपुरी । शिवपुरी के नरवर में पुलिसकर्मी ने हेलमेट नहीं पहनने पर बाइक रोक ली तो विधायक ने भाई ने बीच सड़क ही धमकी दे डाली। कहा- अब तू ही मेरी बाइक घर तक छोड़कर आएगा। इस पर पुलिसकर्मी भी भड़क गया। उसने कहा- वर्दी भी उतरवा दो तो बाइक घर लेकर नहीं आऊंगा।

‘आर्थिक रिपोर्ट कार्ड’ संसद में पेश

56.2 करोड़ लोगों के पास रोजगार का दावा, एफवाई27 में जीडीपी ग्रोथ 7.2% तक रहने का अनुमान

सर्वे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को संसद में आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पेश किया. यह रविवार, 1 फरवरी को आने वाले बजट से ठीक पहले देश की अर्थव्यवस्था का हाल बताने वाला एक जरूरी दस्तावेज है. इस बार निर्मला सीतारमण लगातार 9वीं बार बजट पेश करके एक नया रिकॉर्ड बनाने जा रही हैं.

यह रिपोर्ट वित्त मंत्रालय के ‘आर्थिक मामलों के विभाग’ द्वारा मुख्य आर्थिक सलाहकार (CEA) की देखरेख में बनाई जाती है। >> (शेष पेज 06 पर)

रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2024-25 में अनाज की पैदावार 3,320 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है, जिससे महंगाई को काबू में रखने में काफी मदद मिली है।

सरकार का फोकस अब केवल पैदावार बढ़ाने पर नहीं, बल्कि किसानों की आय सुरक्षित करने और बेहतर स्टोरेज सुविधाओं पर भी है। दुनिया भर में जारी ट्रेड वार के बीच भारत अपने एक्सपोर्ट को डायवर्सिफाई कर रहा है ताकि एक देश पर निर्भरता न हो।

1950-51 में पेश हुआ था पहला सर्वे

देश का पहला इकोनॉमिक सर्वे 1951 में पेश किया गया है। तब यह केंद्रीय बजट का ही एक हिस्सा था। 1964 के बाद से इसे बजट से अलग कर दिया गया। तब से बजट डे से एक दिन पहले इकोनॉमिक सर्वे संसद में पेश होता है।

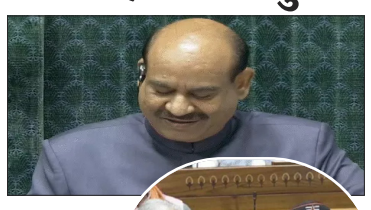

आर्थिक सर्वेक्षण आखिर है क्या?

इसे आप देश की अर्थव्यवस्था का ‘सालाना रिपोर्ट कार्ड’ मान सकते हैं. जैसे स्कूल में पिछले साल की मेहनत का रिजल्ट मिलता है, वैसे ही यह रिपोर्ट बताती है कि पिछले 12 महीनों में भारत की आर्थिक स्थिति कैसी रही और आने वाले समय के लिए सरकार का क्या नजरिया है।

विजय चौक पर हुई बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी

तीनों सेनाओं और सीएपीएफ के बैंड ने धुनें पेश कीं

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के विजय चौक पर गुरुवार शाम को बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी हुई। इसके साथ ही गणतंत्र दिवस के 4 दिन तक चले कार्यक्रमों का समापन हुआ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सेरेमनी में मौजूद रहीं।

समारोह की शुरुआत में सेना ने राष्ट्रपति को नेशनल सैल्यूट दिया। इसके बाद तिरंगा फहराया गया और राष्ट्रगान की धुन बजाई गई। तीनों सेनाओं के बैंड ने सेरेमनी की शुरुआत धुन 'कदम-कदम बढ़ाए जा' बजाकर की। तीनों सेनाओं के साथ CAPF के बैंड ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने भारतीय धुनें बजाईं। वायुसेना के बैंड ने पिछले साल रिटायर किए गए फाइटर जेट MIG-21 की आकृति बनाई। >> (शेष पेज 06 पर)

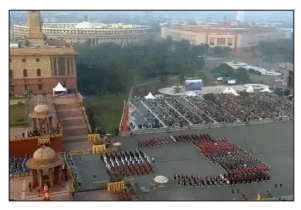

- भारतीय सेना के बैंड्स ने क्रिकेट वर्ल्ड कप समेत अन्य आकृतियां बनाईं

मीडिया वाले मुझसे जलते हैं: विजय शाह

डाकिया आपकी मांग सरकार तक भिजवाएगा

विमोचन

तमसा संकेत, एजेंसी

खंडवा । जनजातीय कार्य विभाग मंत्री विजय शाह ने कहा है कि मीडिया वाले उनसे जलते हैं। शाह ने यह बात गुरुवार को खंडवा मेडिकल कॉलेज में फॉरेंसिक साइंस पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में कही।

मंत्री शाह बतौर मुख्य अतिथि यहां पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मेडिकल स्टूडेंट के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं का जिक्र किया। बताया कि उनके विभाग ने इस साल 14 बच्चों की फीस चुकाई है। इनमें से प्रत्येक को 37-37 लाख रुपए दिए गए हैं।

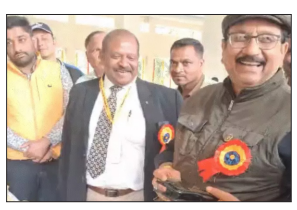

- खंडवा में डीन ने घोषणा याद दिलाई तो तंज कसा- डाकिये को 6 साल बाद बुलाया

मंत्री ने कहा- देख लो, मेरे पास उन बच्चों की लिस्ट है। मैं मन से कुछ नहीं सकता हूं। शाह ने अपने पीए को लिस्ट दी, फिर बोले- मीडिया वालों को दे दो क्योंकि मीडिया वाले मुझसे जलते हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

शोक : पत्नी ने गंगाजल चढ़ाया, बेटों ने मुखाग्नि दी, गन सैल्यूट दिया गया

अजित पवार का अंतिम संस्कार

तमसा संकेत, एजेंसी

बारामती/मुंबई/नई दिल्ली । बारामती के काटेवाड़ी स्थित विद्या प्रतिष्ठान मैदान में गुरुवार को महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार का अंतिम संस्कार हो गया। उनके दोनों बेटों पार्थ और जय पवार ने मुखाग्नि दी।

पत्नी सुनेत्रा पवार ने पति के पार्थिव शरीर पर गंगाजल चढ़ाकर अंतिम विदाई दी। इस मौके पर चाचा शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले, गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। अंतिम संस्कार में महाराष्ट्र के अलावा दूसरे राज्यों से भी लोग पहुंचे। बारामती में देर रात से लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। सुबह के वक्त कई इलाकों में जाम की स्थिति बन गई। समर्थक बाइक, ट्रैक्टर-ट्रॉली और बस से पहुंचे। अंतिम यात्रा में एक से दो किमी तक तक लोग ही लोग नजर आ रहे थे।

पवार का चार्टर्ड प्लेन बुधवार सुबह बारामती एयरपोर्ट के पास सुबह 8.45 बजे क्रैश हुआ था। वे 66 साल के थे। बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान प्लेन क्रैश हुआ था। >> (शेष पेज 06 पर)

अजित पवार के दोनों बेटों पार्थ और जय पवार ने अपने पिता को मुखाग्नि दी।

> केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बारामती पहुंच गए हैं। उनके साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी हैं।

रील बनाने से मना किया तो पति को मार डाला

झाबुआ। झाबुआ में पत्नी बारात में रील नहीं बनाने देने पर इस कदर नाराज हुई कि पति की हत्या कर दी। वह भी शादी की पगड़ी से गला घोंटकर। इसके लिए यूट्यूब देखकर पूरी प्लानिंग की।

वारदात थांदला थाना इलाके में 28 जनवरी की है। पुलिस ने मामले का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए नाबालिग पत्नी को अभिरक्षा में ले लिया है।

एसपी डॉ. शिवदयाल सिंह ने बताया कि 28 जनवरी को दोपहर करीब 12 बजे डायल 112 पर सूचना मिली थी कि 25 वर्षीय कैलाश पिता रायचंद माल का शव उसके घर में संदिग्ध हालत में पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस को शुरुआती जांच में मामला उलझा हुआ लगा।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला कि कैलाश की गला दबाकर हत्या की गई है। पुलिस ने इसी पॉइंट पर जांच आगे बढ़ाई।

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित

बैठक : एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की दिशा में यूपी

चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । प्रदेश सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचाने के लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए सूचना प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग तथा स्टार्टअप इकोसिस्टम से संबंधित विभिन्न पहलों की समीक्षा एवं प्रस्तुतीकरण के उद्देश्य से आज बापू भवन, द्वितीय तल स्थित सभागार, लखनऊ में माननीय आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स कैबिनेट मंत्री श्री सुनील कुमार शर्मा की अध्यक्षता में विभागीय योजनाओं एवं अब तक की प्रगति को लेकर उच्चस्तरीय प्रस्तुतीकरण/समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य के अनुरूप आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, नीतिगत पहलों तथा निवेश से जुड़ी गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान तकनीक आधारित विकास को गति देने, निवेश को प्रोत्साहित करने तथा रोजगार सृजन को बढ़ाने से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। समीक्षा बैठक में लखनऊ में प्रस्तावित एआई सिटी से संबंधित प्रगति की समीक्षा की गई। एआई सिटी हेतु प्री-फिजिबिलिटी स्टडी पूर्ण होने की जानकारी दी गई तथा भूमि चिन्हांकन एवं निवेश प्रक्रिया से जुड़े विषयों पर विचार किया गया। इसके साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्किलिंग, रिसर्च, इनोवेशन एवं स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार किए जा रहे यूपी एआई मिशन के ड्राफ्ट पर भी चर्चा की गई।

स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन

1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए यूपी स्टार्टअप मिशन एवं यूपी स्टार्टअप पॉलिसी 2025 के अंतर्गत की जा रही पहलों की समीक्षा की गई। स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन, फंडिंग तंत्र तथा पब्लिक प्रोक्योरमेंट में उनकी भागीदारी से जुड़े विषयों पर भी विचार किया गया। समीक्षा बैठक में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग से संबंधित निवेश प्रस्तावों, औद्योगिक क्षेत्रों में उपलब्ध अधोसंरचना तथा आगामी रणनीति पर चर्चा की गई। इस क्षेत्र को प्रदेश की आर्थिक वृद्धि का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनाने पर विशेष बल दिया गया।

बैठक में गौतम बुद्ध नगर को ग्लोबल आईटी/आईटीईएस एवं ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के केंद्र के रूप में विकसित करने से संबंधित पहलों की समीक्षा की गई। जीसीसी नीति के अंतर्गत जारी ऑपरेशनल गाइडलाइंस, निवेशक सुविधा तंत्र तथा कंपनियों के साथ हो रहे संवाद की प्रगति से अवगत कराया गया।

- प्रदेश में ड्रोन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित ड्रोन हब से संबंधित गतिविधियों की भी बैठक में समीक्षा की गई।
- ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग, टेस्टिंग एवं अनुसंधान से जुड़े प्रस्तावों तथा विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक के संभावित उपयोगों पर चर्चा की गई।

2027 में योगी का सिंहासन गिरेगा : सपा प्रदेश अध्यक्ष

युवा-महिला और आमजन परेशान, लखनऊ में पीडीए छात्र संवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी की राजनीति में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज होती जा रही है। इसी कड़ी में गुरुवार को राजधानी में PDA छात्र संवाद परिवर्तन का आगाज कार्यक्रम हुआ। इसमें समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और योगी सरकार को लेकर तीखा हमला बोला। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा- वर्ष 2027 में योगी आदित्यनाथ का सिंहासन गिरेगा। यूपी में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा सरकार से युवा, छात्र और आम जनता परेशान है और बदलाव का मन बना चुकी है। PDA (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज एकजुट होकर आगामी चुनाव में बड़ा फैसला करेगा।

इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। उत्तरी विधानसभा से विधायक प्रत्याशी पूजा शुक्ला, पार्टी प्रवक्ता सुनील साजन, युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष फहद और पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष राम ब्रज यादव सहित बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता और छात्र नेता कार्यक्रम में शामिल हुए। नेताओं ने एक स्वर में 2027 में सत्ता परिवर्तन का दावा किया।

छात्र नेताओं को चुनावी रणनीति पर दिया संदेश

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र सभा और युवाओं को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए प्रेरित करना रहा। श्याम लाल पाल ने छात्र नेताओं से कहा कि वे गांव-गांव और मोहल्लों तक जाकर सरकार की नीतियों की सच्चाई जनता को बताएं। उन्होंने कहा कि छात्र और युवा ही परिवर्तन की सबसे बड़ी ताकत हैं और 2027 की लड़ाई में उनकी भूमिका निर्णायक होगी।

फास्ट न्यूज

काकोरी में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा की उंगली टूटी

दुबग्गा। लखनऊ के काकोरी थाना क्षेत्र स्थित बहरू गांव में असामाजिक तत्वों ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा की उंगली तोड़ दी। असामाजिक तत्वों की इस हरकत से ग्रामीणों में गुस्सा व्याप्त हो गया है। प्रतिमा को बुधवार रात से गुरुवार तड़के के बीच खंडित किया गया।

सुबह जब ग्रामीणों ने क्षतिग्रस्त प्रतिमा देखी तो पूरे गांव में आक्रोश फैल गया।

बच्ची के सिर में घूम रही थी रिवाल्वर की गोली

लखनऊ । लखनऊ में KGMU के डॉक्टरों ने एक जटिल ऑपेरशन कर 3 साल की बच्ची को नया जीवन दिया है। खेलने के दौरान बच्ची के सिर में रिवाल्वर की बुलेट धंस गई थी। गंभीर हालत में परिजन उसे KGMU लेकर पहुंचे थे। सिटी स्कैन में पता चला कि बुलेट बच्ची के सिर में घूम रही है। यह देखकर डॉक्टर हैरान हो गए। बच्ची की कंडीशन बिगड़ती जा रही थी। काफी खून बहने के साथ ही वह बेहोशी की हालत में थी। डॉक्टरों ने बच्ची के सिर में एक साथ 9 नीडल डालकर बुलेट लोकेट किया। उसके बाद साढ़े चार घंटे तक जटिल ऑपेरशन कर बुलेट निकाली।

हुसैनाबाद फूड कोर्ट दोबारा खुला

लखनऊ । लखनऊ में हुसैनाबाद स्थित फूड कोर्ट दोबारा आमजन के लिए खोल दिया गया है। फूड कोर्ट संचालक संस्था की ओर से एलडीए में बकाया लीज का 57 लाख रुपए जमा कराए जाने के बाद दुकानों का संचालन फिर से शुरू कर दिया गया है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने टैक्स नहीं जमा करने पर इसे सील कर दिया था। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निरीक्षण के दौरान फूड कोर्ट के संचालन में वित्तीय अनियमितता सामने आई थी।

ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सशक्तिकरण को नई गति

डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय साक्षरता होगी मजबूत

- विकसित भारत-2047 के विजन संग वित्तीय साक्षरता में यूपी बनेगा नंबर वनः 1650
- एफएलसीआरपी को मिलेगी विशेष ट्रेनिंग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत-2047' विजन को साकार करने की दिशा में और उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में बैंकिंग सेवाओं और वित्तीय जागरूकता को मजबूत करने के लिए 1650 वित्तीय साक्षरता सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (FLCRP) को विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा।

यह दो दिवसीय 'रिफ्रेशर एवं ओरिएंटेशन' प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधित जनपदों के आरसेटी केंद्रों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा । प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर मिशन के अन्तर्गत कार्यरत कर्मियों की कार्यक्षमता और तकनीकी समझ को बढ़ाना है, ताकि वे वित्तीय योजनाओं को प्रभावी ढंग से आम जनता तक पहुँचा सकें । यह प्रशिक्षण उन एफएलसीआरपी को दिया जाएगा,जो कम से कम एक वर्ष से निरंतर सेवा दे रहे हैं । राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा सभी जिलो के उपायुक्त स्वतः रोज़गार,को निर्देशित किया गया है कि वे आरसेटी के साथ तालमेल बिठाकर जल्द से जल्द प्रशिक्षण कैलेंडर तैयार करें । यह कार्यक्रम भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों और नेशनल एकेडमी ऑफ आरसेटी के दिशा-निर्देशों के तहत आयोजित हो रहा है ।

मणिकर्णिका मामले में वाराणसी पुलिस की नोटिस का सांसद संजय सिंह ने दिया जवाब

'काशी बाबा विश्वनाथ की है किसी सरकार की जागीर नहीं'

- मणिकर्णिका घाट पर शिवलिंग और अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा तोड़ना विकास नहीं, सनातन पर हमला है
- सच्चाई दिखाना अगर अपराध है तो मैं यह अपराध बार-बार करूंगा - संजय सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

- तोड़फोड़ करने वालों पर चुप्पी और सच बोलने वालों पर एफआईआर, यही भाजपा का न्याय है
- काशी की एक-एक ईंट का इतिहास है, उसे बुलडोजर से नहीं मिटाया जा सकता
- सनातन आस्था पर हो रहे कुठाराघात के खिलाफ चुप रहना पाप है - संजय सिंह

लखनऊ। काशी की पावन भूमि पर मणिकर्णिका घाट स्थित प्राचीन पौराणिक धरोहरों, शिवलिंगों और लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा को निर्माण के नाम पर क्षतिग्रस्त किए जाने की सच्चाई सामने लाने पर राज्यसभा सांसद संजय सिंह पर दर्ज की गई एफआईआर लोकतंत्र और धार्मिक आस्था पर सीधा हमला है। आम आदमी पार्टी ने इसे सत्ता संरक्षण में की जा रही बर्बरता को उजागर करने वालों की आवाज़ दबाने की साजिश बताया है।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने वाराणसी पुलिस द्वारा भेजे गए नोटिस का कानूनी प्रतिउत्तर देते हुए स्पष्ट कहा है कि उन्होंने अपने X हैंडल से जो वीडियो और तथ्य साझा किए, वे पूरी तरह वास्तविक, मौके पर मौजूद लोगों के बयान और प्रत्यक्ष साक्ष्यों पर आधारित हैं। संजय सिंह ने कहा कि मणिकर्णिका घाट पर स्थित मणी (चबूतरा), उस पर उकेरी गई कलाकृतियाँ, प्राण-प्रतिष्ठित शिवलिंग और लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा को नृशंस तरीके से तोड़ा गया, जिसने करोड़ों सनातनियों की आस्था को गहरी ठेस पहुँचाई है।

संजय सिंह ने अपने प्रतिउत्तर में कहा कि काशी केवल एक शहर नहीं, बल्कि बाबा विश्वनाथ की नगरी है, जहाँ हर ईंट और हर घाट का पौराणिक, ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। जिस मणिकर्णिका घाट को मोक्ष की भूमि माना जाता है, वहाँ स्थापित शिवलिंग और विरासत स्वरूप संरक्षित की जाने वाली लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा को तोड़ना किसी भी सूरत में "विकास" नहीं हो सकता। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि आक्रांताओं द्वारा कभी मंदिर तोड़े गए थे तो क्या आज उसी मानसिकता को सत्ता का संरक्षण प्राप्त हो गया है?

सनातन आस्था पर हो रहे कुठाराघात के खिलाफ आवाज़ उठाई

राज्यसभा सांसद ने कहा कि उन्होंने सरकार के खिलाफ विद्रोह भड़काने के लिए नहीं, बल्कि सनातन आस्था पर हो रहे कुठाराघात के खिलाफ आवाज़ उठाई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे स्वयं सनातन धर्म में आस्था रखने वाले व्यक्ति हैं और एक जनप्रतिनिधि होने के नाते उनका कर्तव्य है कि जहां भी धर्म, आस्था और विरासत पर हमला हो, वहां चुप न रहें। संजय सिंह ने कहा कि जिन लोगों ने मणिकर्णिका घाट पर यह बर्बरता की, उनके खिलाफ न तो कोई एफआईआर दर्ज हुई और न ही कोई कार्रवाई की गई, जबकि सच्चाई उजागर करने वाले पर मुकदमा थोप दिया गया।

फर्जी रजिस्ट्रियों पर लगेगी प्रभावी रोक

संपत्ति पंजीकरण में पारदर्शिता के लिए उत्तर प्रदेश में लागू होगी आधार प्रमाणीकरण व्यवस्था

- ई-केवाईसी और बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण से बढ़ेगा भरोसा
- उत्तर प्रदेश ऑनलाइन दस्तावेज रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 2024 प्रभावी
- 2002 से 2017 तक के पंजीकृत विलेखों का डिजिटाइजेशन अंतिम चरण में, 99% से अधिक कार्य पूर्ण

तमसा संकेत, संवाददाता

01 फरवरी 2026 से सभी उप निबंधक कार्यालयों में आधार आधारित पहचान सत्यापन अनिवार्य

लखनऊ। प्रदेश के स्टाम्प तथा पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने गुरुवार को विधान भवन के कक्ष संख्या–80 में आयोजित प्रेसवार्ता में विभाग से संबंधित दस्तावेजों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में संपत्ति पंजीकरण प्रणाली में आधार प्रमाणीकरण व्यवस्था को लागू किया जा रहा है।

मंत्री जायसवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में 28 अगस्त 2025 को सम्पन्न स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग की समीक्षा बैठक में संपत्ति पंजीकरण के दौरान छद्म व्यक्तियों द्वारा की जाने वाली फर्जी रजिस्ट्रियों पर प्रभावी रोक लगाने हेतु आधार प्रमाणीकरण लागू किए जाने के निर्देश दिए गए थे। इन्हीं निर्देशों के क्रम में आवश्यक अधिसूचनाएं जारी की गई हैं। आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण से छद्म व्यक्तियों द्वारा पंजीकरण पर प्रभावी रोक लगेगी, पंजीकरण प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बढ़ेगी तथा भूमि एवं अचल संपत्ति से जुड़े फर्जीवाड़े, कूटरचित दस्तावेज और विवादों में उल्लेखनीय कमी आएगी।

> प्रेसवार्ता में यह भी बताया गया कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में वर्ष 2002 से 2017 तक पंजीकृत विलेखों की स्कैनिंग एवं इंडेक्सिंग परियोजना की अवधि को अगले 06 माह तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। यह परियोजना अपने अंतिम चरण में है और इसके लिए किसी अतिरिक्त बजट की आवश्यकता नहीं होगी।

उप निबंधक कार्यालयों को आवश्यक दिशा-निर्देश

अधिसूचना 02 अगस्त 2024 के माध्यम से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 की धारा–69 के अंतर्गत शक्तियों का प्रयोग करते हुए उत्तर प्रदेश ऑनलाइन दस्तावेज रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 2024 को प्रवृत्त किया गया है। इसके अंतर्गत आधार संख्या धारकों की पहचान ई-केवाईसी, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण एवं ई-हस्ताक्षर के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप में स्थापित की जाएगी।

मंत्री जायसवाल ने बताया कि विलेख पंजीकरण के दौरान निष्पादकों, पक्षकारों एवं गवाहों की पहचान सत्यापन हेतु आधार प्रमाणीकरण व्यवस्था 01 फरवरी 2026 से प्रदेश के सभी उप निबंधक कार्यालयों में लागू कर दी जाएगी। इस संबंध में समस्त उप निबंधक कार्यालयों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

एयरपोर्ट के पास जमीन अधिग्रहण पर किसानों ने किया हंगामा

अडानी ग्रुप के अधिकारियों से झड़प

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के सरोजनी नगर क्षेत्र में गुरुवार को जमीन अधिग्रहण को लेकर अडानी ग्रुप के अधिकारियों और स्थानीय किसानों के बीच विवाद हो गया। यह घटना लखनऊ एयरपोर्ट के समीप एयरपोर्ट वीआईपी तिराहे के पास हिंदुस्तान पेट्रोलियम के नए पेट्रोल पंप के बगल स्थित एक खाली जमीन पर हुई। किसान वहां बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए की जा रही खुदाई का विरोध कर रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गुरुवार को अडानी ग्रुप के अधिकारी जेसीबी मशीन और मजदूरों के साथ मौके पर पहुंचे और जमीन की खुदाई शुरू कर दी। इसकी सूचना मिलते ही चिल्लावां गांव के बड़ी संख्या में किसान वहां पहुंच गए और काम का विरोध करने लगे। विवाद बढ़ने पर किसानों ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल खुदाई का काम रुकवा दिया। किसानों का आरोप है कि अडानी ग्रुप के लोग बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक उनकी जमीन पर पहुंचे और जेसीबी से जबरन खुदाई शुरू कर दी। जब किसानों ने विरोध किया, तो उन्हें मौके से हटाने का प्रयास किया गया। किसानों ने आरोप लगाया कि पुलिस के वापस जाते ही खुदाई का काम फिर से शुरू कर दिया गया, जिससे दिनभर तनाव की स्थिति बनी रही। पीड़ितों के मुताबिक, यह स्थिति दिन में चार बार दोहराई गई और हर बार पुलिस को डायल 112 पर सूचना देकर बुलाना पड़ा।

जिलाबदर : ससुराल में बोले- बजरंगबली का आशीर्वाद मेरे साथ, सुरक्षा नहीं मांगूंगा

अलंकार अग्निहोत्री देर रात बरेली से लखनऊ लाए गए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । बरेली के पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को बुधवार देर रात लखनऊ लाया गया। उन्होंने 26 जनवरी को इस्तीफा दे दिया था। उन्हें आलमबाग में उनकी ससुराल में ड्रॉप किया गया, जहां रात में पुलिस का कड़ा पहरा रहा। लखनऊ पहुंचने पर PCS अधिकारी अलंकार ने पत्रकारों से कहा- बजरंगबली का आशीर्वाद मेरे साथ है। सुरक्षा नहीं मांगूंगा। उन्होंने आगे कहा- बरेली प्रशासन ने सुनियोजित तरीके से लखनऊ भेजा है। मौखिक आदेश पर मुझे जिलाबदर कर दिया गया। बरेली में ऐसा कोई ठोस घटनाक्रम नहीं था, जिसकी वजह से मुझे वहां से हटाने की जरूरत पड़ती। सरकार को अधिकार है कि वह इस्तीफा मंजूर करे या न करे, लेकिन मुझे जानबूझकर बरेली में नहीं रहने दिया गया। इस बीच उनका नया ट्वीट सामने आया है। इसमें उन्होंने सभी सामान्य वर्ग के संगठनों, सर्व समाज और विभिन्न किसान यूनियनों से एकजुट होने की अपील की है। उन्होंने X पर लिखा- 'अब एक ऐसे नए विकल्प पर विचार करने का समय आ गया है, जिसमें सभी वर्गों का उचित प्रतिनिधित्व हो।' लोग इसे हैशटैग #Mera_CM_Mera_Beta और #savarn_ekta के साथ तेजी से शेयर कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, अलंकार अग्निहोत्री लखनऊ से एटा और हाथरस जाएंगे। यूजीसी के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों में शामिल होंगे। समर्थकों के साथ रणनीति बनाएंगे। तीन दिन बाद वापस बरेली लौटेंगे। उनका कहना है कि यूजीसी के नए नियम सवर्ण छात्रों को स्वघोषित अपराधी बना देंगे। उच्च शिक्षा के दरवाजे बंद कर देंगे। वे किसी भी कीमत पर झुकने वाले नहीं हैं। उन्होंने यूजीसी की 13 जनवरी को प्रकाशित गाइडलाइन का भी जिक्र किया, जिसमें जाति आधारित भेदभाव से जुड़ी श्रेणियों को लेकर स्वर्ण समाज को लेकर आपत्ति जताई गई है।

अलंकार अग्निहोत्री जब अफसरों के साथ बैठे थे तो उन्होंने पहले विक्ट्री बाद में उंगली से कनपटी पर बंदूक रखने का इशारा किया। वे पहले भी अपनी जान को खतरा बता चुके हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने आशीर्वाद देकर बुलाया

अलंकार अग्निहोत्री ने बताया कि उन्होंने माघ मेले के दौरान सनातन संस्कृति के कथित अपमान का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। इसी सिलसिले में उनकी बातचीत स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से हुई थी। शंकराचार्य से उन्हें आशीर्वाद मिला और आश्रम आने का निमंत्रण भी दिया गया था, जिसे उन्होंने स्वीकार किया है। अपने अगले कदम को लेकर अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि अब वे अपनी रणनीति को और मजबूत करेंगे। वह स्वर्ण समाज से जुड़े विभिन्न संगठनों के संपर्क में हैं। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि कई चुने हुए जनप्रतिनिधि, चाहे वे किसी भी समाज से हों, अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे हैं। वे कॉरपोरेट कर्मचारियों की तरह आदेश मिलने पर ही सक्रिय होते हैं।

खेतों पर दिखे कृषि अनुसंधान का असर : सूर्य प्रताप शाही

कृषि वैज्ञानिक बदलते मौसम और किसानों की ज़रूरतों पर करें शोध

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने आज आलमबाग स्थित उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस बैठक में उपकार के प्रतिनिधिमंडल द्वारा एक्रीसेट और समिटि की संस्तुतियों, विशेष रूप से कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान के वर्गीकरण को अलग-अलग करने तथा उनके क्रियान्वयन योग्य पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान अरहर सहित अन्य दालों की उत्पादकता बढ़ाने, कृषि विश्वविद्यालयों एवं कृषि विभाग के फार्मों की कार्यप्रणाली और अनुसंधान के विभिन्न विषयों की गहन समीक्षा की गई। कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि वैज्ञानिकों को बदलते मौसम के मिजाज और किसानों की वास्तविक जरूरतों को केंद्र में रखकर शोध कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शोध कार्यों के लिए आवंटित बजट और संसाधनों का परिणाम धरातल पर दिखना चाहिए ताकि किसानों को इसका सीधा लाभ मिल सके। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि नई किस्मों के विकास (वैरायटी डेवलपमेंट) के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में कुल उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए ठोस रणनीति तैयार की जाए। उन्होंने वैज्ञानिकों को निर्देशित किया कि वे वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग करते हुए बेहतर जर्मप्लाज्म तैयार करें और गुणवत्तापूर्ण बीजों के विकास की दिशा में तेजी से कार्य करें। किसानों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने एक ऐसी प्रणाली विकसित करने के निर्देश दिए जिससे मौसम संबंधी सटीक जानकारी तत्काल किसानों के मोबाइल तक पहुंच सके, ताकि प्रतिकूल मौसम से होने वाले नुकसान को न्यूनतम किया जा सके। बैठक के अंत में कृषि मंत्री ने जोर दिया कि उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद और कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा किए जा रहे अनुसंधानों के परिणामों (आउटकम) की जानकारी शोधार्थियों, वैज्ञानिकों और विश्वविद्यालयों के साथ-साथ किसानों तक भी साझा की जाए।

निवेश, औद्योगिक विकास और स्वरोजगार पर फोकस, लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक में योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा

आयोजन

- मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा
- औद्योगिक अवस्थापना सुविधाओं पर चर्चा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बंधु समिति एवं जिला व्यापार बंधु की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता परियोजना अधिकारी डीआरडीए अनिल कुमार सिंह ने की। बैठक में जनपद में संचालित औद्योगिक, निवेश और स्वरोजगार से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की अद्यतन प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों, स्वीकृतियों और ऋण वितरण की प्रगति की समीक्षा की गई। जनपद की रैंकिंग A श्रेणी में होने पर संतोष व्यक्त किया गया, साथ ही यह निर्देश दिए गए कि शेष लंबित प्रकरणों में शीघ्र स्वीकृति और ऋण वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि निर्धारित लक्ष्यों की समय पर पूर्ति हो सके। बैठक के दौरान ODOP, कॉमन फैसिलिटी सेंटर (CFC), क्लस्टर विकास, भूमि उपलब्धता, MSME ऑडिटोरियम, निजी औद्योगिक पार्क (PLEDGE योजना), औद्योगिक विद्युत आपूर्ति और अन्य अवस्थापना सुविधाओं से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। औद्योगिक विद्युत आपूर्ति से संबंधित समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दिए गए, ताकि उद्योगों के संचालन में किसी प्रकार की बाधा न आए। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (GBC) 5.0 के अंतर्गत जनपद को निर्धारित 3000 करोड़ रुपये के निवेश लक्ष्य की प्रगति की भी समीक्षा की गई। सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि निवेश प्रस्तावों को शीघ्र धरातल पर उतारा जाए। एमओयू और जीबीसी रेडी प्रकरणों को पोर्टल पर अद्यतन करने और निवेश लक्ष्य की प्राप्ति में तेजी लाने पर विशेष जोर दिया गया।

स्वरोजगार और ओडीओपी योजनाओं पर समन्वय के निर्देश

बैठक में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना तथा एक जनपद–एक उत्पाद (ODOP) वित्त पोषण योजना की भी समीक्षा की गई। संबंधित विभागों और बैंकों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। यह भी कहा गया कि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय से मिले, इसके लिए प्रक्रियाओं को सरल और प्रभावी बनाया जाए।

निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित प्रकरणों पर सख्ती

बैठक में निवेश मित्र पोर्टल के अंतर्गत ऑनलाइन लाइसेंस एवं एनओसी निर्गमन की स्थिति, उद्यमियों से प्राप्त फीडबैक और शिकायतों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पोर्टल पर लंबित सभी प्रकरणों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। स्पष्ट किया गया कि त्वरित कार्रवाई से न केवल उद्यमियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि जनपद की समग्र रैंकिंग में भी सुधार होगा।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सशक्त बनाने पर जोर, रणनीति तय

एसआईआर मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान की संगठनात्मक बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर (अम्बेडकर नगर)। जलालपुर विधानसभा क्षेत्र में SIR मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की कार्ययोजना, क्रियान्वयन और जमीनी स्तर पर पहुंच सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजीव मिश्र मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

बैठक के दौरान पूर्व सांसद रितेश पांडे, केशरी नंदन त्रिपाठी, विकास निषाद, सुनील गुप्त और अरुण मिश्र की मौजूदगी में अभियान की रणनीतिक रूपरेखा तैयार की गई। मतदाता सूची के अद्यतन, पात्र मतदाताओं के पंजीकरण और सूक्ष्म स्तर पर सत्यापन को लेकर जिम्मेदारियां तय की गईं। राजीव मिश्र ने कहा कि मतदाता सूची का सुदृढ़ीकरण और गहन पुनरीक्षण लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए आवश्यक है। अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे और प्रत्येक नाम सही व अद्यतन रूप में दर्ज हो। उन्होंने अभियान को समयबद्ध और प्रभावी तरीके से संचालित करने पर जोर दिया।

इस अवसर पर जिला महामंत्री दिलीप देव पटेल, संदीप अग्रहरि, विनय सिंह, नृपेन्द्र कुशवाहा, सोनू गौड सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में संगठनात्मक समन्वय, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की भूमिका और मतदाता जागरूकता से जुड़े पहलुओं पर भी चर्चा हुई। अभियान के दौरान घर-घर संपर्क, दस्तावेज़ सत्यापन और मतदाता सूची में सुधार की प्रक्रिया को प्राथमिकता देने की बात कही गई।

फास्ट न्यूज

हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक की मौत

बाराबंकी । दरियाबाद कोतवाली क्षेत्र के जालपा माता मंदिर परिसर में निर्माणाधीन धर्मशाला में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। इस हादसे में दो अन्य मजदूर घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना गुरुवार सुबह करीब 9:30 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, दरियाबाद कस्बे में जालपा माता मंदिर परिसर में एक कमरे का निर्माण चल रहा था।

अम्बेडकरनगर में 'चिराग तले अंधेरा' की तस्वीर

अम्बेडकरनगर। जिले के कटेहरी विकास खंड में गौ-संरक्षण व्यवस्था की जमीनी हकीकत सामने आई है। ब्लॉक मुख्यालय की दीवार से सटी प्रतापपुर चमुर्खा स्थित गौशाला में बेजुबान पशुओं की स्थिति सवालों के घेरे में है। एक सप्ताह से मीडिया की निगाहें गौशालाओं पर केंद्रित हैं और इसी क्रम में यहां की अव्यवस्थाएं उजागर हुई हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, गौशाला में मृत पशुओं के शवों का समय पर और नियमानुसार निस्तारण नहीं किया जा रहा। इससे आसपास दुर्गंध फैल रही है और स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

गोरखपुर गैंगरेप केस, 30 स्पा सेंटर बंद

गोरखपुर । गोरखपुर में 13 साल की किशोरी से गैंगरेप की घटना के बाद लगातार एक्शन हो रहा है। पहले गोरखनाथ थाना प्रभारी समेत 6 पुलिसकर्मियों को इस केस में लापरवाही करने पर सस्पेंड कर दिया गया। इसके बाद बुधवार को शहर के स्पा सेंटरों की पुलिस टीम ने जांच पड़ताल की। इस दौरान लाइसेंस न मिलने पर 30 से अधिक स्पा सेंटर बंद करा दिए गए।

तहसील तक पैदल मार्च, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नए नियमों के खिलाफ प्रदर्शन किया

तमसा संकेत, संवाददाता

आलापुर, अम्बेडकरनगर। आलापुर में गुरूवार को सवर्ण समाज के लोगों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी रामनगर चौक पर एकत्रित हुए और आलापुर तहसील तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान उन्होंने सरकार विरोधी नारे लगाए और नए नियमों को तत्काल वापस लेने की मांग दोहराई। तहसील पहुंचने पर प्रदर्शनकारियों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि यूजीसी के नए नियम अनुचित और भेदभावपूर्ण हैं। प्रदर्शनकारी सरकार से इन नियमों को तत्काल निरस्त करने की अपील कर रहे हैं।

भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्ण भगवान पांडेय ने कहा कि यूजीसी के नए नियम सवर्ण युवाओं को अपराधी बना रहे हैं और समाज में विभाजन पैदा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सत्ता के लालच में ऐसे कानून ला रही है, जिससे सामाजिक सौहार्द पर असर पड़ेगा। पांडेय ने जोर देकर कहा कि नियम तत्काल वापस लिए जाएं, अन्यथा आंदोलन तेज होगा।

भाजपा नेता और जिला पंचायत सदस्य कांत कन्नौजिया ने भी नए नियमों को 'काला कानून' बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे नियमों का दुरुपयोग होने की संभावना अधिक है और सरकार को इसे समाप्त करना चाहिए।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में अंबेडकरनगर का दबदबा

दिसंबर 2025 की प्रदेश रैंकिंग में पहला स्थान, पूरे वर्ष टॉप-3 में रहा जनपद

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) के अंतर्गत अंबेडकर नगर जनपद ने प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। दिसंबर 2025 की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में जनपद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष के दौरान भी अंबेडकर नगर उत्तर प्रदेश के शीर्ष तीन जनपदों में लगातार अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहा। जिला प्रशासन और विकास विभाग के समन्वित प्रयासों का असर NRLM डैशबोर्ड पर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। जिला अधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी के नेतृत्व में संचालित योजनाओं ने जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन का उदाहरण प्रस्तुत किया है। प्रदेश स्तर पर आयोजित समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में NRLM कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान अंबेडकर नगर के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही ग्रामीण आजीविका को मजबूत बनाने में योगदान देने वाले दो ब्लॉक मिशन प्रबंधकों को भी उनकी कार्यशैली के लिए प्रशस्ति पत्र दिए गए। यह सम्मान NRLM के तहत योजनाओं के प्रभावी संचालन और प्रशासनिक दक्षता को दर्शाता है।

डैशबोर्ड प्रदर्शन में निरंतरता, द्वितीय क्वार्टर में भी बेहतर रैंक

उपायुक्त स्वतः रोजगार सुरेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार जनपद का प्रदर्शन केवल एक माह तक सीमित नहीं रहा। NRLM डैशबोर्ड पर 2025-26 के द्वितीय क्वार्टर की संयुक्त रैंकिंग में भी अंबेडकर नगर ने प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग, डेटा की सटीक प्रविष्टि और समयबद्ध अपडेट का परिणाम मानी जा रही है।

स्वयं सहायता समूहों के गठन, बैंक लिंकेज, आजीविका गतिविधियों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में जनपद ने कई अन्य जिलों को पीछे छोड़ा।

एक्स-रे के लिए मरीजों को करना पड़ रहा दो दिन तक इंतजार

बसखारी सीएचसी की व्यवस्था ध्वस्त

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसखारी की स्वास्थ्य सेवाएं एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में आ गई हैं। यहां इलाज के नाम पर मरीजों को लगातार अव्यवस्था का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि एक्स-रे जैसी आवश्यक जांच के लिए भी मरीजों को एक से दो दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे इलाज समय पर शुरू नहीं हो पा रहा। बसखारी सीएचसी में आने वाले अधिकांश मरीज आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से जुड़े हैं, जिनके लिए यही केंद्र प्राथमिक उपचार का मुख्य सहारा है। बावजूद इसके, अस्पताल में जांच सुविधाएं समय पर उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। एक्स-रे कक्ष में नियमित संचालन न होने से मरीजों की कतार लगी रहती है, जबकि कई मरीजों को अगली तारीख देकर लौटा दिया जा रहा है।

हाल ही में सामने आए मामले ने अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। स्ट्रक्चर में तेज दर्द से पीड़ित एक मरीज घंटों अस्पताल परिसर में तड़पता रहा, लेकिन समय पर उसका एक्स-रे नहीं किया जा सका। जांच के अभाव में डॉक्टर इलाज शुरू नहीं कर सके, जिससे मरीज की हालत और बिगड़ती चली गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्था की जानकारी होने के बावजूद अधीक्षक द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।

60 साल बाद खुले स्कूल के रास्ते

निजी बागों से घिरे प्राथमिक विद्यालय को मिला स्थायी आवागमन मार्ग

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। विकासखंड अकबरपुर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय कहरा सुलेमपुर को लगभग छह दशक बाद स्थायी आवागमन का रास्ता मिल गया है। ग्राम पंचायत गयासपुर में स्थित यह विद्यालय अब तक चारों ओर से निजी बाग भूमि से घिरा हुआ था, जिससे छात्रों और शिक्षकों को विद्यालय पहुंचने के लिए निजी खेतों और बागों से होकर गुजरना पड़ता था। रास्ते की अनुपलब्धता लंबे समय से विद्यालय संचालन में बड़ी बाधा बनी हुई थी।

प्राथमिक विद्यालय कहरा सुलेमपुर की स्थापना के बाद से ही विद्यालय तक पहुंचने के लिए कोई सरकारी या सार्वजनिक मार्ग उपलब्ध नहीं था। चारों ओर निजी खातेदारों की बाग भूमि होने के कारण बच्चों और शिक्षकों को रोजाना असुविधाजनक रास्तों से होकर विद्यालय आना-जाना पड़ता था। कई बार विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती थी, जिससे शैक्षणिक वातावरण प्रभावित होता रहा।

गत शनिवार को उप जिलाधिकारी जलालपुर राहुल गुप्ता, क्षेत्रीय लेखपाल रविकांत तिवारी और खंड विकास अधिकारी ने विद्यालय स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान आसपास के खातेदारों के साथ बातचीत की गई। चर्चा के बाद खातेदारों ने विद्यालय के हित को ध्यान में रखते हुए रास्ता देने पर सहमति जताई। हरिश्चंद्र मिश्र, रामचंद्र शुक्ल सहित अन्य खातेदारों ने अपनी बाग भूमि के पूर्वी छोर से विद्यालय तक रास्ता देने का निर्णय लिया। खातेदारों की इस सहमति के बाद वर्षों से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सका। खातेदारों की सहमति के बाद ग्राम प्रधान गयासपुर के सहयोग से विद्यालय तक रास्ता निर्माण का कार्य शुरू करा दिया गया। रास्ता बनने से न केवल छात्रों और शिक्षकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि अभिभावकों की चिंता भी कम होगी। क्षेत्रीय लोगों ने इस पहल को सकारात्मक कदम बताया है। स्थायी रास्ता मिलने से विद्यालय की नियमितता और शैक्षणिक गतिविधियों में सुधार की उम्मीद है।

बरसात में टापू बन जाता था स्कूल

बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती थी। चारों ओर पानी भर जाने से विद्यालय पूरी तरह टापू जैसा बन जाता था। ऐसे में नन्हे छात्र-छात्राओं का विद्यालय पहुंचना जोखिम भरा हो जाता था। कई बार जलभराव के कारण उपस्थिति बेहद कम हो जाती थी, जिसका सीधा असर पठन-पाठन पर पड़ता था। शिक्षक भी नियमित रूप से विद्यालय नहीं पहुंच पाते थे।

मीडिया में उठी समस्या, प्रशासन ने लिया संज्ञान

विद्यालय तक रास्ता न होने की समस्या को स्थानीय लोगों ने मीडिया के माध्यम से उजागर किया। मामला सामने आने के बाद जिलाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए उप जिलाधिकारी जलालपुर को मौके पर भेजा। प्रशासनिक पहल के बाद वर्षों से लंबित समस्या के समाधान की प्रक्रिया शुरू हुई।

जलालपुर में बज़्म-ए-सक़लैन का तरही मुशायरा आयोजित

'इंसानियत ही हुसैनियत है' के संदेश के साथ साहित्यिक महफ़िल सजी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। जलालपुर में बज़्म-ए-सक़लैन के तत्वावधान में गुरुवार को एक तरही मुशायरा आयोजित किया गया। इस साहित्यिक आयोजन में बड़ी संख्या में साहित्य-प्रेमी उपस्थित रहे। मुशायरे का मुख्य संदेश "इंसानियत ही हुसैनियत है" रखा गया, जिसे मशीर अल-हिंदी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ क़ारी एलिया साहब जलालपुरी द्वारा पवित्र क़ुरआन की तिलावत से किया गया। इसके बाद साकिब जलालपुरी ने नात-ए-रसूल (स.) पेश की। मुशायरे की सदारत मौलाना डॉक्टर रहबर सुल्तानी साहब क़िबला (इमाम-ए-जुमा) ने की, जबकि मौलाना डॉक्टर नय्यर ज़ुल्क़रनैन साहब क़िबला विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर ज़ीशान साहब जलालपुरी ने किया।

मुशायरे में जलालपुर के स्थानीय शायरों के साथ-साथ बाहरी मेहमान शायर काज़िम जारचवी ने भी अपने तरही शेर प्रस्तुत किए, जिन्हें श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम में उर्फ़ी जलालपुरी, रहबर सुल्तानी, अंसार जलालपुरी, शरफ़ जलालपुरी, अहमद जलालपुरी, वारिस जलालपुरी, रज़ा जलालपुरी और काज़िम जारचवी ने प्रमुख कलाम पढ़े। उर्फ़ी जलालपुरी ने कहा, अल्लाह जाने क्या है सकीना की मंज़िलत, शब्बीर ने है माँगा बड़ी आजिज़ी के साथ।

रहबर सुल्तानी ने शेर पढ़ा, इअब्बास दो हदफ लिए आए हैं नह्र पर, मश्क़ीज़ा भरना, लौटना फिर तशनगी के साथ।

अंसार जलालपुरी ने कहा, ज़ालिम को उम्र चार सदी से भी कम मिली, लेकिन हुसैन ज़िंदा हैं हर एक सदी के साथ। काज़िम जारचवी ने अपने कलाम में कहा, है देखने की चीज़ कि मरहब को एक लख्त, काटा है ज़ुल्फ़िकार ने किस ख़ुशख़ती के साथ। इसके अलावा फ़ैज़ान जलालपुरी, सैफ़ जलालपुरी, साक़िब जलालपुरी, कुमैल जलालपुरी, महताब जलालपुरी,शेर आलम जलालपुरी और कलीम आबिद जलालपुरी ने भी अपनी प्रस्तुति दी।

डॉ अवनीश कुमार पांडेय को एसएचआरडी फेलोशिप पुरस्कार

- फल विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मिला सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद के युवा कृषि वैज्ञानिक डॉ अवनीश कुमार पांडेय को फल विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय शोध और योगदान के लिए प्रतिष्ठित SHRD फेलोशिप पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार सोसाइटी फॉर हॉर्टिकल्चरल रिसर्च एंड डेवलपमेंट द्वारा 28 से 30 जनवरी 2026 तक झांसी स्थित रानी लक्ष्मी बाई सेंट्रल एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी में आयोजित चौथे इंडियन हॉर्टिकल्चर समिट-कम-इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रदान किया गया।

डॉ अवनीश कुमार पांडेय वर्तमान में नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी (गुजरात) में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। सम्मेलन में देश-विदेश के कृषि वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों ने भाग लिया, जहां उद्यानिकी और फल विज्ञान से जुड़े नवीन शोध कार्यों पर चर्चा की गई।

डॉ पांडेय ने कृषि विज्ञान, विशेष रूप से फल विज्ञान के क्षेत्र में व्यापक शोध किया है। अब तक उनके 100 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने 7 पुस्तकें लिखी हैं और 7 पेटेंट भी उनके नाम दर्ज हैं।

SHRD फेलोशिप पुरस्कार को उद्यानिकी शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सम्मान माना जाता है, जो निरंतर शोध, नवाचार और व्यावहारिक उपयोगिता वाले कार्यों के आधार पर प्रदान किया जाता है।

निर्देश : डीएम ने शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों संग की बैठक

सभी पात्र युवा मतदाता सूची में होंगे शामिल

- हर पात्र युवा का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के निर्देश
- ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आवेदन
- पहले से पंजीकृत और वंचित छात्रों की अलग सूची तैयार करने पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में जिले के 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के सभी पात्र युवाओं का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित कराने के लिए बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला ने की। इसमें जनपद के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्य और प्राचार्य शामिल हुए। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिले में कोई भी पात्र युवा मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रहे। इसके लिए सभी शिक्षण संस्थानों को निर्देश दिए गए कि उनके यहां अध्ययनरत पात्र छात्र-छात्राओं का नाम अनिवार्य रूप से मतदाता सूची में शामिल कराया जाए। उन्होंने कहा कि नामांकन प्रक्रिया ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पूरी की जाए, ताकि किसी भी स्तर पर पात्रता से वंचित रहने की स्थिति न बने।

जिलाधिकारी ने बताया कि छात्र-छात्राएं ऑनलाइन पोर्टल voters.eci.gov.in के माध्यम से या फिर ऑफलाइन फॉर्म-6 भरकर मतदाता सूची में नाम दर्ज करा सकते हैं। ऑफलाइन आवेदन के साथ घोषणा पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। उन्होंने शिक्षण संस्थानों को निर्देश दिए कि वे इस प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाएं और विद्यार्थियों को आवेदन भरने में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएं। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि प्रत्येक शिक्षण संस्था पहले से मतदाता सूची में शामिल छात्रों और अब तक नामांकन से वंचित छात्रों की अलग-अलग सूची तैयार करे।

प्रत्येक संस्थान में नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश

कार्य को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूरा कराने के लिए सभी प्रधानाचार्यों को अपने-अपने संस्थानों में एक-एक नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए गए। नोडल अधिकारी का नाम और मोबाइल नंबर जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें इस कार्य की स्पष्ट जिम्मेदारी सौंपने को कहा गया। जिलाधिकारी ने कहा कि नामांकन अभियान की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी।

अकबरपुर तहसील में वंजर भूमि के नामांतरण का आरोप

लेखपाल पर धन उगाही और जालसाजी के गंभीर आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। तहसील अकबरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत हसनपुर जलालपुर में कृषि योग्य वंजर भूमि के कथित अवैध नामांतरण को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्रीय लेखपाल पर मोटी रकम लेकर भूमि अभिलेखों में हेरफेर करने और नियमों को ताक पर रखकर नामांतरण कराने का आरोप है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत हसनपुर जलालपुर में भूखंड संख्या 532 खतौनी भूमि के रूप में दर्ज है, जबकि भूखंड संख्या 531 वंजर भूमि की श्रेणी में आती है। आरोप है कि लेखपाल, ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत सदस्य की मिलीभगत से भूखंड संख्या 532 का रकबा वंजर भूमि 531 में नामांतरण कराने की प्रक्रिया की जा रही है। इसके लिए ग्राम पंचायत में जो प्रस्ताव पारित किया गया है, उसमें नामांतरण के कारणों का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत में पारित प्रस्ताव तथ्यों से परे है और इसमें नियमानुसार आवश्यक विवरण अंकित नहीं है। आरोप है कि नामांतरण की प्रक्रिया को पूर्व नियोजित तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि वंजर भूमि को कृषि योग्य दर्शाकर उसका लाभ उठाया जा सके। इस प्रकरण में वादी सुबराती ने आरोप लगाया है कि लेखपाल ने फाइल को दबाने और कार्रवाई रोकने के नाम पर उससे 3000 रुपये लिए। इसके साथ ही यह भी आरोप है कि नामांतरण किसी भी स्थिति में कराने की धमकी दी गई ।

सम्पादकीय

एक और विमान हादसा, कब लेंगे सबक?

बारामती में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की विमान हादसे में मौत ने देश में हवाई सुरक्षा को लेकर नए सिरे से सवाल खड़े कर दिए हैं। अपने देश में रह-रहकर विमान हादसे होते रहे हैं। इन हादसों में अजीत पवार की तरह कई नेताओं और आम लोगों ने अपनी जान गंवाई है। मुंबई से बारामती जा रहा विमान जिस तरह हादसे का शिकार हुआ और उसमें सवार चालक दल के सदस्यों के साथ सभी पांच लोग मारे गए, उसने सुरक्षित हवाई यात्रा को लेकर जो चिंताएं पैदा की हैं, उनका समाधान किया जाना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि आम और खास लोगों की ओर से चार्टर विमान सेवाओं का उपयोग बढ़ता जा रहा है।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं कि बारामती में उतरने की कोशिश कर रहा विमान किन कारणों से विस्फोट के साथ आग का गोला बन गया। यह स्वाभाविक है कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की ओर से इस हादसे की जांच होगी और वह ब्लैक बाक्स की पड़ताल पर निर्भर करेगी, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि इसके पहले 2023 में मुंबई में वीएसआर एविएशन का बाम्बार्डियर लीयरजेट 45 विमान दुर्घटना का शिकार हुआ था। यह हैरानी की बात है कि अभी इस दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट ही सामने आ सकी है। ऐसा क्यों है, इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

चूंकि अजीत पवार महाराष्ट्र के प्रभावशाली नेता थे और उन्होंने अपने चाचा शरद पवार से अलग होकर अपना अलग दल बनाया था और वही उसके कर्ता-धर्ता थे, इसलिए यह प्रश्न सतह पर आना स्वाभाविक है कि उनके न रहने पर उनका दल एनसीपी अस्तित्व में बना रहेगा या नहीं और उसकी कमान कौन संभालेगा? एक के बाद एक सरकारों में उप मुख्यमंत्री रहे अजीत पवार विवादों में भी रहे, लेकिन वे राजनीतिक रूप से सदैव प्रभावी बने रहे।

उन्होंने चाचा शरद पवार को चुनौती भी दी और उन पर भारी भी पड़े। पिछले लोकसभा चुनाव में उनकी एनसीपी का प्रदर्शन प्रभावशाली नहीं रहा था और उन्हें केवल एक सीट मिली थी, लेकिन विधानसभा चुनावों में उन्होंने 41 सीटें जीत कर अपनी राजनीतिक ताकत का आभास कराया था। उनका निधन महाराष्ट्र में राजनीतिक समीकरणों में बदलाव का कारण बन सकता है।

हालांकि संख्याबल के हिसाब से महाराष्ट्र सरकार में एनसीपी की अहमियत तीसरे नंबर की थी, लेकिन उसका महत्व इसलिए था कि वह भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में एकनाथ शिंदे की शिवसेना के दबदबे को कम करने में सहायक थी। यह किसी से छिपा नहीं कि शिवसेना और भाजपा में खटपट चलती ही रहती है। इस खटपट के बीच एनसीपी संतुलन कायम करने का काम करती थी। पिछले कुछ समय से यह चर्चा चल रही थी कि एनसीपी के दोनों गुट एक साथ आ सकते हैं। देखना है कि अब ऐसा होता या नहीं और होता है तो किस रूप में?

हर सत्र से पहले हंगामा क्यों?

> अब भले ही हम खुद को विश्व गुरु कहें या लोकतंत्र के सबसे बड़े झंडा बरदार। लेकिन यह कड़वा सच है कि देश के नागरिकों के कड़े परिश्रम एवं खून पसीने की कमाई से चलने वाली संसद के प्रति लगातार आम आदमी की आस्था एवं श्रद्धा घटती जा रही है।

बेशक, आज हम दुनिया के सबसे बड़े और सबसे पुराने लोकतंत्र हैं और यह लोकतंत्र संचालित होता है देश की संसद से। संसद, यानी लोकतंत्र का हृदय।

कौन नहीं जानता कि संसद का गठन ही इसलिए हुआ था जिससे कि देश की समस्याओं पर चुने हुए सांसद बैठकर विचार विमर्श कर सकें निर्णय ले सके और कैसे इस देश को विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ते हुए आम आदमी के जीवन को अधिक से अधिक खुशियों भरा और संतुष्टिदायक बनाया जा सके।

लेकिन दुर्भाग्य कि लंबे समय से संसद एक राजनीतिक नाटकघर में बदल गया है। वह मंच जहाँ बहस, विमर्श और निर्णयों की गरिमा होनी चाहिए थी, वहाँ सत्ता और विपक्ष कुर्सी-टकराव, शोर-शराबा और अस्थायी घटनाओं में फँसे रहे हैं। 28 जनवरी को संसद के शीतकालीन सत्र का उद्घाटन हो चुका है और महामहिम राष्ट्रपति ने इसकी रूपरेखा तथा सरकार की उपलब्धियां को रेखांकित करते हुए अभिभाषण भी दे दिया है। लेकिन देशभर में इस समय सबसे ज़्यादा चर्चा जिस बात की है वह है यूजीसी की नई गाइडलाइन। जिसे लेकर देश भर में माहौल गर्मा रहा है और सवर्ण वर्ग यूजीसी के विरोध में आंदोलन करता दिखाई देता है तो वहीं पिछड़े वर्ग के लोग इस विरोध को अनावश्यक एवं आधारहीन बता रहे हैं। कह सकते हैं कि इस बार भी संसद में काम कम और यूजीसी गाइडलाइंस जैसे मुद्दों को लेकर हंगामा अधिक होने की आशंका दिखाई दे रही है।

वैसे ऐसा कोई पहली बार नहीं हो रहा है आज़ादी के बाद से ही संसद के कार्यों में अवरोध डालना चर्चा के बजाय विवाद खड़े करना एक आम बात हो गया है।

बहुत पीछे न जाकर वर्तमान सरकार के शासनकाल पर ही एक नज़र डालें तो पता चलता है कि 2014 से 2025 तक के संसदीय सत्र इस बात के गवाह हैं कि संसद अब चर्चा का केंद्र कम और अखाड़ा ज्यादा बन चुकी है।

2014 में संसद की ड्योढ़ी पर माथा टेककर सत्ता में आए नरेंद्र मोदी ने नई आशाएं जगाईं थी लेकिन मोदी सरकार के सत्ता में आने के तुरंत बाद भूमि अधिग्रहण अध्यादेश और उससे जुड़ी बहस ने संसद को विमर्श से बाहर कर दिया। सरकार शब्दबद्धता में पीछे रही और विपक्ष चिल्लाहट में आगे। उसे सत्र से ही संसदीय समय व्यर्थ होता गया, स्पष्ट नीतिगत संवाद के बजाय टकराव का शोर ज्यादा रहने लगा। 2016 में जेएनयू के छात्र आंदोलन ने संसद की फोकस को विद्रोह बनाम राष्ट्रवाद के क्लेश में बदल दिया। संसद की कार्रवाई बाकी विषयों से कटकर राष्ट्रवादी बहस में फँस गई । एक ऐसी बहस जो बाहर ज़्यादा तेज़ होती रही, पर अंदर काम कम और हंगामा ज्यादा रहा। नवंबर 2016 में नोटबंदी जनता की जेब तक गहराई से पहुँची, पर संसद तक नहीं पहुँची। संसद को बाद में सूचना दी गई, कानून की गंभीर बहस के नाम पर सार्थक बहस के ही नजर नहीं आई।

2018 के अविश्वास प्रस्ताव ने संसद के कामकाज को सियासी रंग में बदल दिया। पेशेवर बहसें कम और हंगामे के दृश्य अधिक रहे। 2019 के बजट सत्र में पुलवामा और बालाकोट के बाद संसद एक विचार मंच से अधिक चुनावी प्रचार मंच बनी दिखाई दी। जबकि 2020 में कोविड-19 संकट के बीच संसद में कृषि कानून पारित कर दिए गए, बिना विस्तृत चर्चा, बिना समितियों की समीक्षा। किसान सड़कों पर थे,यह लोकतंत्र की संवादहीनता का प्रतीक बना।

2021 में पेगासस जासूसी कांड ने संवैधानिक गोपनीयता और नागरिक स्वतंत्रता को संसद के एजेंडे पर रखा, लेकिन हंगामे की राजनीति ने बहस को दबा दिया। संसदीय कामकाज दूसरी पंक्ति में खिसक गया।

2022 में युवा असंतोष आंदोलन ने संसद की सुर्खियां छीन ली और अग्निपथ योजना के विरोध ने युवाओं की आवाज़ उठाई, पर संसद ने व्यापक बहस की जगह टकराव को चुना। संसदीय समय विपक्ष की नारेबाज़ी और सरकार के अड़ियल रुख में बर्बाद होता रहा। 2023 में भी लोकसभा में सुरक्षा चूक के बाद जिस तरह रिकॉर्ड संख्या में विपक्षी सांसद निलंबित किए गए, उसने संसद की आत्मा पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया। क्या असहमति को बाहर कर देना, सदन चलाने का तरीका हो सकता है? 2024 के शीतकालीन सत्र में संसद परिसर के बाहर और अंदर ही एक गंभीर विवाद उभरा जब लोकसभा व राज्यसभा दोनों सदनों की कार्यवाही भी भीषण टकराव का केंद्र बन गई। तब राहुल गांधी पर दूसरे सांसदों को धक्का देने के आरोप में एफआईआर कराई गई और यह सत्र भी हंगामे की भेंट चढ़ गया।

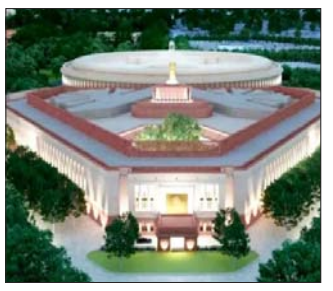

2025 में संसद के वर्षाकालीन सत्र के तीसरे दिन अचानक तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया यह एक ऐसा निर्णय था जिसने राजनीति और संवैधानिक जवाबदेही पर प्रश्न खड़े कर दिए । 21 जुलाई 2025 को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़का प्रकट रूप में स्वास्थ्य कारणो से अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देश भर में तरह-तरह की अफवाहों एवं बहस का केंद्र रहा पर सच क्या है आज तक सामने नहीं आया।

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि आज संसद एक विचार विमर्श का मंच कम और अपि

ऐसी जगह ज्यादा बन गयी है जहाँ मुद्दों का समाधान नहीं, प्रतिरोध होता है, बहस नहीं, टिप्पणियाँ होती हैं, सहमतियां कम और विवाद अधिक होते हैं । आज निश्चित ही यह सोचने का समय है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है वें कौन सी शक्तियां है जो संसद में काम कम और हंगामा अधिक होते देखना चाहती हैं और अपने उद्देश्य में कमोबेश सफल भी होती दिखाई दे रही हैं जो एक गहन चिंता का विषय है।

डॉ घनश्याम बादल

सवालों के घेरे में लिव इन संबंध, वैवाहिक संस्था का विकल्प नहीं हो सकता

हाल में मद्रास हाई कोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप के चलन पर चिंता जताते हुए कहा कि ऐसे रिश्तों में महिलाओं को पत्नी का दर्जा देकर सुरक्षा दी जाए। कोर्ट ने यह भी कहा, 'लिव-इन रिलेशन भारतीय समाज के लिए एक सांस्कृतिक झटका है, लेकिन ये बड़े पैमाने पर हो रहे हैं। लड़कियां सोचती हैं कि वे माडर्न हैं और लिव-इन रिलेशनशिप में रहने का फैसला करती हैं, लेकिन कुछ समय बाद उन्हें आभास होता है कि यह रिश्ता शादी की तरह कोई सुरक्षा नहीं दे रहा है।'

तमाम अदालतें निरंतर इसके लिए चेता रही हैं कि लिव इन रिलेशनशिप अपेक्षाकृत लड़कियों के लिए सामाजिक स्तर पर कहीं अधिक नुकसानदायक है, लेकिन शायद युवाओं के लिए आधुनिक होने का तात्पर्य पश्चिमी संस्कृति को अपनाना हो गया है। उनका यह सोच उन्हें ऐसी स्थितियों में धकेल देता है, जहां से निकलने का हर प्रयास नाकाम हो जाता है। अगर ऐसा नहीं होता तो लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाला कोई भी युगल न्यायालय के दरवाजे खटखटाता हुआ नहीं दिखाई देता। अगस्त 2023 में 'अदनान बनाम उत्तर प्रदेश राज्य और अन्य' मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की टिप्पणी थी कि अधिकांश लिव-इन जोड़ों के बीच ब्रेकअप हो जाता है और उसके बाद महिला के लिए समाज का सामना करना मुश्किल हो जाता है। एक तरह के सामाजिक बहिष्कार से लेकर अभद्र सार्वजनिक टिप्पणियां लिव-इन रिलेशनशिप के बाद उसके कष्टों का हिस्सा बन जाती हैं। जिस पश्चिमी संस्कृति का अनुकरण कर युवा पीढ़ी लिव इन रिलेशनशिप अपना रही है, उसे यह जानना होगा कि आज भी पुरुषों और स्त्रियों के लिए स्पष्ट रूप से अलग नैतिक नियम हैं और इसका उदाहरण ब्रिएना पेरेली-हैरिस का शोध है, जो यूरोप के 11 देशों पर आधारित है।

- ऋतु सारस्वत

कुष्ठ रोग एक संक्रामक...

प्रमोद दीक्षित मलय

कुष्ठ रोगियों से करें आत्मीयता एवं प्रेमभरा व्यवहार

मई 1974 में संजीव कुमार तथा जया भादुड़ी अभिनीत एक फिल्म प्रदर्शित हुई थी 'नया दिन नई रात'। इस फिल्म में साहित्य के नौ रसों यथा श्रृंगार, हास्य, करुण, वीर, रौद्र, भयानक, वीभत्स,अद्भुत एवं शांत रसों पर आधारित नौ प्रकार की भूमिकाएं नायक संजीव कुमार द्वारा अभिनीत की गई थी। ये नौ भूमिकाएं सामाजिक जीवन के नौ व्यवहारों की झलक दिखा रहे थे। संत, डकैत, गायक, नशेड़ी, डाक्टर, साहूकार आदि छवियों के साथ ही इसमें एक दृश्य कुष्ठ रोग से ग्रस्त एक व्यक्ति से भी संबंधित था। संजीव कुमार के भाव प्रवण अभिनय ने कुष्ठ रोगी के पात्र को जीवंत कर दिया और समाज में कुष्ठ रोगियों के प्रति उपेक्षा, अलगाव एवं तिरस्कार की बजाय प्रेम, सहानुभूति एवं अपनेपन के भाव एवं मानवीय दृष्टिकोण के अंकुर फूटे। इसके साथ ही उस दौर की कुछ अन्य फिल्मों में भी कोढ एवं कोढ़ी पर दृश्य दिखायी देते हैं। इन सभी में कुष्ठ रोगी का अभिनय कर रहे पात्र ने उसके प्रति सहानुभूति एवं दया दिखाने वाले व्यक्तियों को उससे दूर रहने को कहते हुए इस रोग को उसके पापकर्मों का परिणाम बताया गया तो वहीं उसके समुचित इलाज एवं भोजन पोषण के प्रेरक दृश्य भी खींचे गये। एक प्रकार से यह तत्कालीन सामाजिक नजरिए को व्यक्त करता है। यह धारणा उस समय व्याप्त थी

कि कोढ़ व्यक्ति के इस जन्म या पूर्व जन्मों के पाप कर्मों का कुफल है जिसे उस व्यक्ति को भोगना ही है। हम सभी ने इस सामाजिक व्यवहार को बहुत करीब से देखा, सुना और समझा है। बड़े-बुजुर्गों द्वारा बच्चों को कुष्ठ रोगियों से बिल्कुल दूर रहने की सख्त हिदायत दी जाती थी। रोगी को समाज का कलंक माना जाता था। इसलिए रोगी गांव से बाहर कर दिये जाते थे, परिवार वालों का भी सहयोग-सम्बल नहीं मिलता था। बड़ी संख्या में रोगी हरिद्वार का रूख कर लेते थे। या फिर शहरों में बाजार, रेलवे स्टेशन, बस अड्डे और मंदिरों के बाहर भीख मांगकर बहिष्कृत, तिरस्कृत एवं अपमानित निकृष्ट जीवन जीने को विवश होते थे। लेकिन सरकारी और स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रयासों से कुष्ठ रोगियों को न केवल उपचार और आश्रय मिला बल्कि जीने की सम्मानजनक राह भी मिली। इसका श्रेय फ्रांसीसी मानवतावादी विचारक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं लेखक राउल फोलेरो को जाता है जिन्होंने 1954 में कुष्ठ रोग दिवस मनाने की पहल कर जन सामान्य में जागरूकता लाने एवं रोग का उपचार कर रोकथाम करने की ओर विश्व का ध्यान खींचा। तब से प्रत्येक वर्ष जनवरी के अंतिम रविवार को विश्व कुष्ठ रोग दिवस मनाया जाता है। कुष्ठ रोग दिवस के माध्यम से इस घातक रोग के बारे में वैश्विक जागरूकता का प्रसार करने, रोग से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और समुचित चिकित्सा के उपलब्ध होने का संदेश दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि कुष्ठ रोगियों के प्रति महात्मा गांधी के हृदय में न केवल असीम प्यार एवं अपनापन था बल्कि उनके लिए वे सम्मानजनक सामाजिक व्यवहार करने के भी पक्षधर थे। इसीलिए राउल फोलेरो ने महात्मा गांधी के प्रति श्रद्धा निवेदित करते हुए उनकी पुण्यतिथि 30 जनवरी को कुष्ठ रोग दिवस मनाने को समर्पित किया। तब से भारत में कुष्ठ रोग दिवस मनाकर गांधी जी के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करते हैं। जबकि वैश्विक स्तर पर यह आयोजन जनवरी महीने के अंतिम रविवार को किया जाता है।

कुष्ठ रोग एक संक्रामक रोग के रूप में समाज में माना जाता है। यह पाप कर्म का फल नहीं बल्कि एक जीवाणु जनित रोग है। वर्ष 1873 में चिकित्सक गेरार्ड हेनरिक आर्मोर हैन्सेन ने कुष्ठ रोग के उत्तरदायी जीवाणु माइक्रो बैक्टीरियम लैप्री और माइक्रो बैक्टीरियम लेप्रोमेटासिस को खोजा। उनके नाम पर इसे हैन्सेन रोग भी कहा जाता है। रोगी में इस रोग के शुरुआती लक्षण दिखाई नहीं पड़ते। पांच साल तक यह जीवाणु बहुत धीरे-धीरे बढ़ता है। लेकिन बाद में गम्भीर रूप धारण कर त्वचा, नसों, हाथ-पैर और आंखों को प्रभावित करता है। यह प्रभावित अंगों में घाव कर देता है। बहुत समय पहले से ही यह भारत में पहचान लिया गया था। सुश्रुत एवं चरक संहिता में कुष्ठ रोग के लक्षण एवं उपचार का वर्णन मिलता है।

1947 में...

डॉ घनश्याम बादल

भुलाए नहीं भूलता अहिंसा का दूत- कुछ तो है गांधी में

30 जनवरी 1948 को गोली खाकर देह त्यागने वाले गांधी की आज एक बार फिर देश में पुण्यतिथि मनाई जा रही है। प्रधानमंत्री राष्ट्रपति समेत देश के बड़े-बड़े नेता मंत्री, मुख्यमंत्री राजघाट पर जाकर एक बार फिर चार फूल गांधी की समाधि पर चढा रहे हैं लेकिन बहुत बड़ा सवाल यह है कि देश को आज़ादी दिलाने में अपने समय का अद्भुत योगदान देने वाले गांधी को हमने कितना समझा और कितना समझ कर भी न समझने का स्वांग रचा है।

1947 में आज़ादी पाने के बाद से ही गांधी की भूमिका पर सवाल उठने शुरू हो गए थे । देश का बंटवारा, पाकिस्तान को एक बड़ी रकम दिलवाना, खुद सत्ता में जिम्मेदारी न लेने के बावजूद सरकार को अपनी ही सोच के साथ चालवाने का अनशनकारी प्रयास गांधी जी के आज़ादी के बाद के व्यक्तित्व पर कई सवाल खड़े करता है लेकिन फिर भी कुछ तो चमत्कार रहा उसे डेढ़ पसली के व्यक्ति में जिसे आइंस्टीन जैसे महान वैज्ञानिक ने एक चमत्कार कहा और माना कि आने वाली नस्लें इस बात पर यक़ीन नहीं करेंगी की कभी गांधी जैसा हाड़ मांस का बना इंसान भी पैदा हुआ होगा।

1947 के बाद से ही देश में नई सोच और नया चिंतन शुरू हो गया था । कुछ संकीर्णता वादियो की घातक सोच के चलते हुए ही गांधी जी आज़ादी के मैच डेढ़ साल बाद ही हिंसा का शिकार हो गए। वही हिंसा, जिसके ख़िलाफ़ वे जीवन भर लड़ते रहे और बिना हिंसा का सहारा लिए हुए उसे समय की दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के पंजों से देश की आज़ादी छीन कर ले आए । गांधी जी खुद उस हिंसा के शिकार हो गए तो सोचने वाली बात यह है कि कहीं न कहीं उनके जीते जी ही कुछ ऐसा चल रहा था जो उन्हें पसंद नहीं करता था और जब यह वैचारिक सोच प्रतिशोध पर उतरी तो हमने गांधी जैसे महान पुरुष को खो दिया।

आज हम गांधी जी को याद करते हैं और याद करते हैं उन तीन गोलियां को जिन्होंने 'हे राम' कहने के बाद गांधी को एक शरीर से आत्मा में बदल दिया था । भले ही जिस पिस्टल से गोलियां निकली उसका ट्रिगर दबाने वाली उंगलियां नाथूराम गोडसे नाम के उन्मादी युवक की थी लेकिन ट्रिगर दबाने की सोच और ताकत उन उंगलियों को कहां से मिली इस पर आज भी विवाद है।

गांधी की मौत के बाद जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि आज एक रोशनी की रुखसती का दिन है तो सारा देश उनसे सहमत था । हर तरफ एक अंदेशा और डर था कि अब क्या होगा और देश देश की दिशा, दशा कैसी होगी लेकिन यह सारे अंदेशे एक बार फिर भारतीयों के जज्बे और आज़ादी के प्रति उनके जुनून ने हाशिए पर पहुंचा दिए ।

जैसे गांधी चले गए वैसे ही इस लोकतांत्रिक देश में एक के बाद एक अलग-अलग सरकारें आती और जाती रहीं ।

जरा हटके

हमारी सबसे बड़ी...

ललित गर्ग

शिक्षा खौफनाक नहीं, बल्कि स्नेह एवं हौसलों का माध्यम बने

जीवन को दिशा देने वाली शिक्षा यदि भय, हिंसा और दमन का पर्याय बन जाए तो वह सभ्यता की सबसे बड़ी विडंबना कही जाएगी। हाल के वर्षों में पढ़ाई के नाम पर बच्चों पर बढ़ते दबाव, घर और स्कूल में हिंसक व्यवहार तथा प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ ने शिक्षा की आत्मा पर गहरा आघात किया है। फरीदाबाद की उस हृदयविदारक घटना ने, जिसमें महज गिनती न सीख पाने के कारण एक मासूम बच्ची को पिता की क्रूरता ने मौत के मुंह में धकेल दिया, पूरे समाज को कठघरे में खड़ा कर दिया है। इस तरह खौफनाक होती पढ़ाई अब केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि जन-जन से जुड़ी विडम्बना बनती जा रही है। इस तथाकथित शिक्षा की विकृत मानसिकता का भयानक परिणाम है कि आज भी यह माना जाता है कि डर और मार से बच्चों को बेहतर बनाया जा सकता है। ज्ञान की इस सदी में यह सोचना ही शर्मनाक है कि पढ़ाई के नाम पर किसी बच्चे से उसका जीवन, उसका बचपन, उसका आत्मविश्वास छीना जा सकता है। आज शिक्षा धीरे-धीरे मानवीय संवेदनाओं से कटती जा रही है। परीक्षा परिणाम, रैंक, अंक तालिका और प्रतिस्पर्धा के आंकड़े शिक्षा का चेहरा बनते जा रहे हैं। अभिभावक अपने अधूरे सपनों का बोझ बच्चों के नाजुक कंधों पर लाद देते हैं और स्कूल उन्हें प्रदर्शन की मशीन मानकर आंकने लगते हैं। परिणाम यह होता है कि बच्चा पढ़ाई को उत्सव या खोज की प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक खौफनाक दायित्व के रूप में देखने लगता है। घर, जो सबसे सुरक्षित और स्नेहपूर्ण स्थान होना चाहिए, वहीं डर का अड्डा बन जाता है। स्कूल,

जो जिज्ञासा और रचनात्मकता को पंख देने का माध्यम होना चाहिए, वह दंड और अपमान का स्थल बन जाता है। ऐसे में मासूम मन कहां जाए, किससे अपने भय और असहायता को साझा करे। मनोविज्ञान और शिक्षा शास्त्र के तमाम अध्ययन यह स्पष्ट कर चुके हैं कि हिंसा, डांट, डर और अपमान बच्चों की सीखने की क्षमता को नष्ट करते हैं। डर के माहौल में बच्चा न तो प्रश्न पूछ पाता है, न प्रयोग कर पाता है और न ही अपनी गलतियों से सीख पाता है। उसकी स्मरण शक्ति, एकाग्रता और निर्णय क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। धीरे-धीरे वह हीनभावना का शिकार हो जाता है और स्वयं को अयोग्य समझने लगता है। यह कुंठा केवल बचपन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पूरे जीवन उसके व्यक्तित्व पर छाया की तरह मंडराती रहती है। ऐसे बच्चे बड़े होकर भी जोखिम लेने से डरते हैं, अपनी बात रखने में संकोच करते हैं और जीवन की प्रतिस्पर्धा में आत्मविश्वास के अभाव में पिछड़ जाते हैं। यह शिक्षा नहीं, बल्कि एक तरह का मानसिक शोषण है। हमारी सबसे बड़ी भूल यह है कि हम हर बच्चे को एक ही मापदंड से आंकना चाहते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि हर बच्चा अपने आप में विशिष्ट है। किसी की रुचि गणित में है तो किसी की कला में, कोई खेल में खिलता है तो कोई संगीत या साहित्य में। प्रकृति ने हर बच्चे को किसी न किसी विशेष क्षमता के साथ भेजा है, लेकिन हम उसे पहचानने की बजाय एक तयशुदा पाठ्यक्रम और अपेक्षाओं की बेड़ियों में जकड़ देते हैं।

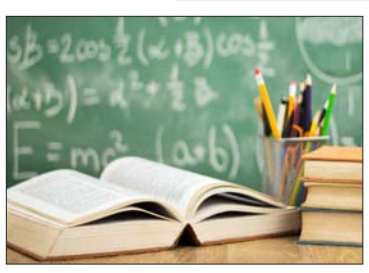

जीवन अच्छा बनाना

जन्म और मरण के बीच का कालमान जीवन है । सफल जीवन वही होता है जिसमें प्रसन्नता से हमारा मन और मन का आंगन भरा रहता है । धन के अभाव में भी यदि यदि मन में आनंद और उमंग है तो समझ लो जीवन के हर पल के साथ कोई नया प्रसंग है और महक का मनोरम रंग है । एक सिद्धांत आत्मवाद अर्थात् आत्मा का हैं । शरीर अलग है और आत्मा अलग हैं । एक अवधारणा हमें यह भी मिल सकती है कि जो शरीर हैं वही आत्मा हैं और जो आत्मा हैं वही शरीर हैं। इसे नास्तिक विचारधारा कहा जा सकता हैं । प्रश्न उठता हैं कि मैं कौन हूँ ? उत्तर हैं कि मैं आत्मा हूं । अभी जीवन हैं, इस कारण आत्मा और शरीर का योग हैं । जैन दर्शन का यह सिद्धांत हैं कि जब तक मोक्ष प्राप्त नहीं हो जाए तब तक आत्मा एक जन्म के बाद दूसरा जन्म लेती रहती हैं । प्रश्न हो सकता हैं कि आत्मा का पुनः पुनः जन्म क्यों होता हैं ? शास्त्र में कहा गया हैं कि चार कषाय- क्रोध, मान, माया और लोभ हैं । यह आगे से आगे पुनर्जन्म की जड़ों को सिंचन दे रहें हैं । वह जब तक मोहनीय कर्म है तब तक जन्म मरण का क्रम चलता रहता हैं । मोहनीय कर्म के क्षय हो जाने के उपरांत भी एक बार तो मृत्यु होती हैं, उसके पश्चात आत्मा जन्म- मरण से मुक्त हो जाती हैं । पुनर्जन्म का सिद्धांत अध्यात्म से जुड़ा हुआ हैं । वह यदि पुनर्जन्म हैं और मोक्ष हैं तो अध्यात्म जगत और साधु बनने की गहरी उपयोगिता सिद्ध हो जाती हैं । कोई यह कहें कि पुनर्जन्म हैं ही इसका क्या प्रमाण हैं ? तो यह भी कहा जा सकता है कि पुनर्जन्म नहीं इसका क्या प्रमाण हैं ? कोई प्रमाण नहीं हैं । ऐसी स्थिति में हमें पुनर्जन्म और आत्मा को मानकर ही जीवन जीना चाहिए । वह जीवन को पाप, धोखाधड़ी आदि से बचाते हुए ईमानदारी और नैतिकता के साथ जीने का प्रयास करना चाहिए । जीवन में सद्भावना, नैतिकता , अहिंसा और संयम रहें तो वर्तमान जीवन के साथ - साथ हमारा बाद का जीवन भी अच्छा बन सकेगा । आचार्य श्री तुलसी ने अणुव्रत का प्रवर्तन किया । अणुव्रती बनने के लिए जैनी होना आवश्यक नहीं हैं । तेरापंथ धर्मसंघ को मानने की आवश्यकता भी नहीं हैं । भाग्य एक ऐसी ताली है जिसके सहारेहर कोई भाग्यशाली बनना चाहता है । किसी ने किसी विद्वान सेपूछा कि अच्छा भाग्य कैसे पाया जा सकता है । विद्वान का बहुत सारगर्भित जवाब था कि भाग्यशाली वह नहीं है जो किसी नामी-गिरामी का पुत्र हो। भाग्यशाली वह नहीं हैं जो कुछेक सूत्र शास्त्रों के जानकर अपने आपको विद्वान समझता है ।

> प्रदीप छाजेड़

अयोध्या जेल की दीवार तोड़कर 2 कैदी भागे

फरार

स्पेशल सेल में बंद थे, रातभर में 30 ईंट उखाड़ी, जेल अधीक्षक समेत 7 सस्पेंड

कैदियों के फरार होने के बाद जेल में हड़कंप मच गया। सुरक्षा कड़ी कर दी गई। कैदियों की तलाश के लिए ऑपरेशन शुरू किया गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या जिला जेल से दो कैदी दीवार तोड़कर फरार हो गए। दोनों स्पेशल सेल में बंद थे। दोनों ने रातभर में सेल की पीछे की दीवार की 25-30 ईंटें उखाड़ीं। भागकर जेल की बाउंड्री वॉल तक गए। फिर कंबल और मफलर से रस्सी बनाकर 20 फीट ऊंची दीवार फांद गए।

कैदियों के भागने की खबर लगते ही हड़कंप मच गया। आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। फरार

कैदियों की पहचान गोलू अग्रहरि उर्फ सूरज और शेर अली उर्फ रफीक अली के रूप में हुई है। गोलू अमेठी और रफीक सुलतानपुर का रहने वाला है। दोनों हत्या और रेप के आरोप में बंद थे।

डीजी जेल पीसी मीणा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जेल के वरिष्ठ अधीक्षक यूपी मिश्रा, जेलर जेके यादव, डिप्टी जेलर मयंक त्रिपाठी, एक हेड वार्डर और तीन वार्डर को सस्पेंड कर दिया। विभागीय जांच के आदेश भी दिए। डीएम निखिल टीकाराम फुंडे और एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर जिला जेल पहुंचे। जेल का निरीक्षण किया और अधिकारियों से मामले की जानकारी ली। कैदी शेर अली पुत्र रफीक अली, निवासी अमरे मऊ, सुलतानपुर और गोलू अग्रहरि पुत्र साधूराम, निवासी मुसाफिर खाना, अमेठी के रहने वाले हैं। गोलू पर अमेठी और अयोध्या में पॉक्सो समेत कई मामले दर्ज हैं। शेर अली पर अयोध्या, जौनपुर, सुलतानपुर में हत्या समेत 11 मामले दर्ज हैं। उसकी हिस्ट्रीशीट नंबर HS 24A है। सीओ कादीपुर ने बताया- पत्नी ने उसे छोड़ रखा है, रिश्तेदारी में पुलिस टीम दबिश दे रही है।

जेल की दीवार तोड़कर भागे

पुलिस के मुताबिक, दोनों कैदी जेल की स्पेशल सेल नंबर-एक की 4 नंबर कोठरी में बंद थे। बुधवार की शाम 6 बजे बैरक को बंद किया गया। उस वक्त तक दोनों कैदी बैरक में ही थे। आज सुबह यानी गुरुवार सुबह 6 बजे कैदियों की गिनती शुरू हुई।

इसमें कैदियों को नाम बुलाया गया तो दोनों कैदी नहीं मिले। इसके बाद टीम ने अंदर जाकर देखा तो जेल के पीछे की दीवार पर लगे जंगले से कुछ ईंटें निकली दिखाई पड़ी। यानी दोनों दीवार तोड़कर भाग गए। टीम पहुंची तो जंगले की लगभग 25 से 30 ईंटें निकली पाई गईं। जेल में जगह-जगह सर्च किया गया। सीसीटीवी चेक किया गया, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया।

पुलिस का मानना है कि कोठरी के पीछे की दीवार पर लगे जंगले से जिस तरह से ईंटें निकाली गई हैं और कंबल-मफलर के सहारे रस्सी बनाई गई है, उससे लग रहा है कि दोनों लंबे समय से जेल ब्रेक करने की तैयारी कर रहे थे।

कम दहेज का आरोप लगाकर विवाहिता को घर से निकाला

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। थाना मोहम्मदपुर खाला क्षेत्र के ग्राम फिरोजपुर की रहने वाली एक विवाहिता ने अपने ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने इस संबंध में थाना मोहम्मदपुर खाला में लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

थाने में दी गई तहरीर के अनुसार, प्रार्थिनी दरख्शा पत्नी नूर आलम पुत्री जहरुद्दीन की शादी दिनांक 19 अप्रैल 2020 को नूर आलम पुत्र मकबूल निवासी ग्राम फिरोजपुर, थाना मोहम्मदपुर खाला, जनपद बाराबंकी के साथ हुई थी। विवाह के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा कम दहेज लाने क लेकर ताने दिए जाने लगे। पीड़िता का आरोप है कि दिनांक 5 जनवरी 2025 को सुबह लगभग 10 बजे उसके पति नूर आलम, देवर आलम गुफरान, सास राबिया तथा ससुर मकबूल ने मिलकर उससे 50,000 नगद और एक बुलेट मोटरसाइकिल की मांग की। जब वह उक्त मांग पूरी नहीं कर सकी, तो सभी आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और उसे घर से भगा दिया। आरोप है कि जाते समय उसे धमकी दी गई कि जब तक मांग पूरी नहीं होगी, तब तक घर वापस न आए, अन्यथा जान से मार दिया जाएगा। पीड़िता ने बताया कि वह काफी समय तक ससुराल पक्ष के बुलाने का इंतजार करती रही, लेकिन जब कोई पहल नहीं की गई, तब वह अपने दो छोटे बच्चों के साथ थाने पहुंची। पीड़िता के अनुसार उसका एक पुत्र शालिम (उम्र लगभग 5 वर्ष) और एक पुत्री अक्सा (उम्र लगभग 2 वर्ष) वर्तमान में उसके साथ रह रहे हैं। पीड़िता ने पुलिस से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए ससुराल पक्ष के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि उसे न्याय मिल सके। थाना प्रभारी निरीक्षक मोहम्मदपुर खाला ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है।

जयंत चौधरी ने एआई आधारित शिक्षा और स्किलिंग का विज़न किया प्रस्तुत

सुविधा

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय तथा शिक्षा मंत्रालय के राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने नई दिल्ली में गूगल के एआई फॉर लर्निंग फोरम में भारत के शिक्षा और स्किलिंग इकोसिस्टम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एकीकरण के लिए सरकार के विज़न को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, गूगल क्लाउड और चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के बीच एक ऐतिहासिक साझेदारी की घोषणा की गई। इस पहल के तहत सीसीएसयू को भारत की पहली एआई-इनेबल्ड स्टेट यूनिवर्सिटी पायलट के रूप में विकसित किया जाएगा, जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री ने कहा कि एआई के माध्यम

से शिक्षा और स्किलिंग को जोड़कर युवाओं की रोजगार क्षमता को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाया जाएगा। गूगल इंडिया की कंट्री मैनेजर प्रीति लोबाना ने कहा कि इस सहयोग के माध्यम से पर्सनलाइज्ड लर्निंग, एआई-संचालित करियर सपोर्ट और आधुनिक लर्निंग सिस्टम विकसित किए जाएंगे। यह पहल सीसीएसयू को एक एआई-फर्स्ट संस्थान में बदलने के साथ-साथ देशभर की उच्च शिक्षा संस्थाओं के लिए एक मॉडल फ्रेमवर्क बनेगी, जिससे छात्रों को विश्वस्तरीय डिजिटल लर्निंग सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

वृहद नेत्र जांच एवं चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 400 से अधिक वाहन चालकों का परीक्षण

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत वेंक्टेश्वरा समूह की सराहनीय पहल

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत वेंक्टेश्वरा समूह के मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल विम्स एवं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के संयुक्त तत्वावधान में एक वृहद नेत्र जांच एवं चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर मेरठ एवं मुरादाबाद मंडल के अंतर्गत चार विभिन्न टोल प्लाजा पर आयोजित किया गया, जिसमें 400 से अधिक बस, ट्रक, ऑटो, टेंपो एवं अन्य वाहन चालकों की निःशुल्क नेत्र जांच एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक दवाइयों का भी निःशुल्क वितरण किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, भारतीय सड़क ब्यूरो के वरिष्ठ प्रबंधक

ललित मोहन तिवारी, एनएचएआई मैनेजर जयवर्धन सिंह, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. सुरेश जी मेहता, निदेशक अजय श्रीवास्तव एवं जीएम हॉस्पिटल मेघा सबरवाल द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।

प्रतिपालक डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि नियमित अंतराल पर स्वास्थ्य परीक्षण, आंखों की जांच, नशे में वाहन न चलाने की आदत तथा यातायात नियमों के पालन से देश में प्रतिवर्ष सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली साढ़े चार लाख से अधिक मौतों को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

शिविर के दौरान नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. किशोर गोवेकर, डॉ. आलोक गुप्ता, डॉ. अदिति बंसल, वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. सिद्धार्थ डे, डॉ. प्रणब, डॉ. रजत, आनंद नागर, शैलेंद्र सिंह सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा वाहन चालकों का परीक्षण किया गया।

कार्यक्रम में टोल एचआर मैनेजर तरुण तिवारी, टीआई अनुज मलिक, मोहित, योगेश शर्मा, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा सहित बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी, चिकित्सकगण, एनएचएआई अधिकारी एवं वेंक्टेश्वरा संस्थान के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों ने वेंक्टेश्वरा समूह की इस पहल को सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में एक अनुकरणीय मॉडल बताते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

सड़क सुरक्षा केवल नियमों से नहीं

इस अवसर पर वेंक्टेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों से नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता से सुनिश्चित होती है। उन्होंने इसे सरकार की एक उत्कृष्ट पहल बताते हुए कहा कि वेंक्टेश्वरा संस्थान के छात्र-छात्राएं आगामी एक माह तक मेरठ एवं मुरादाबाद मंडल सहित वेस्ट यूपी क्षेत्र में दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने तथा चारपहिया वाहन चालकों को नियमित रूप से सीट बेल्ट लगाने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाएंगे।

लखपति दीदी प्रभा यादव की कला व उद्यमिता को राष्ट्रीय मंच पर मिला सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । राष्ट्रीय महिला आयोग के तीन दिवसीय स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर भारत मण्डपम, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजय राहटकर को उत्तर प्रदेश की लखपति दीदी श्रीमती प्रभा यादव द्वारा निर्मित एक आकर्षक कैनवस पेंटिंग भेंट की गई।

श्रीमती प्रभा यादव उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी एक सशक्त स्वयं सहायता समूह सदस्य हैं। वह मुरली माता स्वयं सहायता समूह से संबद्ध हैं तथा बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी की सक्रिय दुग्ध उत्पादक सदस्य हैं। ग्राम रसोई, जनपद झाँसी की निवासी श्रीमती प्रभा ने अपने परिश्रम, लगन और उद्यमशील सोच के बल पर लखपति दीदी के रूप में उल्लेखनीय पहचान स्थापित की है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 से दिसंबर 2025 तक श्रीमती प्रभा यादव ने बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी को कुल 3475 लीटर दूध की आपूर्ति कर लगभग 2.16 लाख का कारोबार किया है। उनके पास वर्तमान में 7 दुधारू पशु हैं, जो उनकी सतत आजीविका और आर्थिक सशक्तिकरण का आधार हैं।

होलिका दहन का चबूतरा तोड़ा, पार्षद से हाथापाई

आगरा। सार्वजनिक जगह पर ग्रामीणों ने चंदा करके होलिका दहन का चबूतरा बनवाया। नगर निगम की टीम ने उस चबूतरे को ध्वस्त कर दिया। इसको लेकर लोगों का आक्रोश भड़क गया। नगर निगम की टीम ने क्षेत्रीय पार्षद दीपक वर्मा से हाथापाई के साथ ही गाली-गलौज भी की। इससे क्षेत्र में आक्रोश भड़क गया है। वार्ड 77 शहीद नगर के पार्षद दीपक वर्मा का कहना है-बुधवार को नगर निगम की टीम ने चमरौली में खेलकूद के मैदान पर बने अस्थायी होलिका दहन के स्थल को तोड़ दिया। इस चबूतरे को ग्रामीणों ने चंदा इकट्ठा करके बनवाया था। यह सार्वजनिक जमीन खेलकूद मैदान के नाम दर्ज है। पार्षद का कहना है-मोहल्ला चमरौली में होलिका दहन खेलकूद के नाम से जमीन पर 50-60 साल से होलिका दहन हो रहा है। 5-6 दिन पहले गांव के लोगों के लोगों ने मीटिंग हुई थी। जिसमें तय किया गया था कि होलिका दहन के लिए यहां पर अस्थायी चबूतरा बनवाया जाएगा।

मां-बेटे समेत 4 की मौत, 5 यात्री घायल, चकनाचूर हुई गाड़ी बस ट्रेलर में घुसी

तमसा संकेत, एजेंसी

भरतपुर । भरतपुर में स्लीपर बस और ट्रेलर की भीषण टक्कर में मां-बेटे समेत 4 यात्रियों की मौत हो गई। 5 यात्री घायल हो गए। बस कासगंज (उत्तर प्रदेश) से जयपुर जा रही थी। इस दौरान सेवर पुल पर खड़े ट्रेलर में घुस गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। बस में फंसे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। एक्सीडेंट सेवर थाना इलाके में आगरा-जयपुर नेशनल हाईवे पर बुधवार देर रात करीब 2:30 बजे हुआ।

सेवर थाना के SI अवधेश ने बताया- सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को

प्रत्यक्षदर्शी राजेश ने बताया- रात में कोहरा था। सड़क पर एक ट्रेलर खराब होकर खड़ा था, लेकिन उसके पीछे कोई बैरिकेड या चेतावनी संकेत नहीं लगाए गए थे। कोहरे के कारण बस ड्राइवर को ट्रेलर नहीं दिखा और बस उस में घुस गई।

तुरंत आरबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया। शव मॉर्च्युरी में रखवाए गए। हादसे में सतोवा, मथुरा (यूपी निवासी) गीता (38) पत्नी रामवीर और उनके बेटे कान्हा (8) की मौत हो गई। ड्राइवर मुक्खन सिंह (28) पुत्र खेम सिंह निवासी कठूमर (अलवर) और मुस्लिम (40) पुत्र इस्माइल निवासी कासगंज की भी जान चली गई। चकनाचूर हुई बस में शव फंस गए थे, जिन्हें मशक्कत के बाद निकाला गया।

तस्वीर बस के अंदर की है। हादसे के बाद बस की यह हालत हो गई।

पत्नी-बेटे के साथ भगवान की पोशाक सप्लाई करने जा रहे थे

बस में सवार सतोवा निवासी रामवीर पत्नी गीता और बेटे कान्हा के साथ पोशाक सप्लाई करने जयपुर रहे थे। रामवीर भगवान की मूर्तियों के लिए कागज की पगड़ियां बनाते हैं। इस बार वे पत्नी और बेटे को भी साथ लेकर आए थे। हादसे में रामवीर की पत्नी और बेटे की मौत हो गई। रामवीर खुद गंभीर रूप से घायल हो गए।

एसआईआर फॉर्म से संबंधित नोटिस कटने के बाद ब्लॉक परिसर में भारी भीड़

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। विधानसभा रामनगर व कुर्सी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सूरतगंज ब्लॉक में गुरुवार को एसआईआर (SIR) फॉर्म से संबंधित नोटिस कटने के बाद ब्लॉक परिसर में भारी भीड़ देखने को मिली। नोटिस जारी होने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं मतदाता अपने आवश्यक दस्तावेजों को पूर्ण कराने के लिए ब्लॉक कार्यालय पहुंचे और मतदाता सूची में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। ब्लॉक परिसर में सुबह से ही लोगों की कतारें लगी रहीं। मतदाता अपने पहचान पत्र, निवास प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों को पूरा कराकर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने एवं संशोधन कराने की प्रक्रिया में शामिल हुए।

इस दौरान प्रशासनिक कर्मचारियों द्वारा लोगों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए और फॉर्म भरने में सहयोग किया गया। इसी क्रम में

मतदाता सूची में अपनी सहभागिता दर्ज कराई

भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं सूरतगंज ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शेखर हयारण ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने नये मतदाताओं के फॉर्म–6 भरवाकर जमा कराए और युवाओं एवं पात्र नागरिकों को लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। शेखर हयारण ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि मतदान केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। अधिक से अधिक नये मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जुड़ना लोकतंत्र को और सशक्त बनाएगा। उनके इस प्रयास की स्थानीय लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सराहना की गई। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक क्षेत्र के अनेक ग्रामीण, युवा वर्ग तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। लोगों में मतदाता पंजीकरण को लेकर खासा उत्साह देखा गया। पूरे आयोजन का उद्देश्य पात्र मतदाताओं की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित कर आगामी चुनावों में जनभागीदारी को मजबूत करना रहा।

वापसी : गोरखपुर में सुबह से बूंदाबांदी, अगले 2 दिन कड़ाके की ठंड पड़ेगी

यूपी में पलटा मौसम, 15 जिलों में कोहरा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में ओले-बारिश के बाद मौसम पलट गया है। एक बार फिर ठंड और कोहरे की वापसी हुई है। गुरुवार सुबह लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़ समेत 15 जिलों में कोहरा छाया रहा। कई जगह विजिबिलिटी 10 मीटर तक पहुंच गई। सड़कों पर सन्नाटा रहा। जरूरी काम से निकले लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आए। जगह-जगह सड़कों के किनारे अलाव जलते दिखाई दिए। इस बीच मौसम विभाग ने अगले 2 दिन कड़ाके की ठंड और कोहरे की संभावना जताई है। पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री तक की गिरावट आएगी। दिन में धूप और सुबह-शाम में सर्द हवा चलेगी। 30 जनवरी की रात से

हाथरस में कोहरा छाया हुआ है। इससे गलन भरी सर्दी पड़ रही है। 10 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चल रही है।

उत्तर-पश्चिम भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ असर डाल सकता है, जिससे मौसम और बिगड़ेगा। पिछले 24 घंटे की बात करें तो अयोध्या-लखनऊ समेत 9 शहरों में बुधवार को बारिश हुई। बरेली में कुछ इलाकों में ओले भी गिरे। कई जगह सड़कों पर पानी भर गया। संभल में कक्षा 8 तक और सिद्धार्थनगर में कक्षा 12 तक के स्कूल बंद करने पड़े। प्रदेश में बुलंदशहर सबसे ठंडा जिला रहा। यहां तापमान 8.6C रिकॉर्ड किया गया। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने कहा पश्चिमी विक्षोभ का असर गुरुवार को नहीं है। इस कारण अगले 48 घंटे में ठंड का असर देखने को मिलेगा। पूर्वांचल के विभिन्न जिलों में घना कोहरा छाएगा।

बारिश, तेज हवा और ओले गिरने से फसलों को भारी नुकसान

कृषि विशेषज्ञों सिद्धार्थ सिंह ने बताया- तेज हवा के साथ अगर गेहूं की फसल गिर रही है तो दाने हल्के हो जाएंगे। इससे उत्पादन में 20% तक की कमी आ सकती है। गन्ने की फसल भी काफी हद तक गिर गई है, जिससे गन्ने के खराब होने और उत्पादन घटने की आशंका बढ़ गई है। सरसों और सब्जियों की फसल को भी इस बारिश ने गंभीर नुकसान पहुंचाया है। खेतों में अधिक पानी भर जाने से सरसों की फलियां जमीन पर गिर गई हैं, जिससे दाना खराब होने का खतरा है। वहीं सब्जियों की फसलों में जलभराव के कारण गलन की समस्या बढ़ गई है। खासतौर पर सब्जी की खेती करने वाले किसानों को इस बारिश से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

यूपी के सबसे ठंडे 5 जिले

जिला	तापमान
बुलंदशहर	8.6
बरेली	9
फतेहपुर	9
कानपुर	9.2
हरदोई	9.5

आंकड़े बुधवार के हैं, जो गुरुवार सुबह जारी हुए सोर्स आईएमडी

कार्यालय. ग्राम पंचायत मसुरिहा वि0 खं0 सूरतगंज जनपद बाराबंकी

पत्रांक मेमो/निविदा 2025 -26 दिनांक 29/01/2026

निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत मसुरिहा विकासखंड सूरतगंज जनपद बाराबंकी में वित्तीय वर्ष 2025- 26 हेतु मनरेगा/महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत स्वीकृत कार्य योजना में ग्राम पंचायत में।

क्र.स.	कार्य का नाम	सामग्री विवरण
1	पंचायत भवन से मस्जिद तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	सीमेंट 204 बोरी , मौरंग 9.63 घन मीटर , बालू 32.0 घन मीटर, ईंट गिट्टी 64.13 घन मीटर, प्रथम श्रेणी ईंट 13965 नग, लोकल बालू 36.32 घन मीटर, इंटरलॉकिंग ईंट 558.8 वर्ग मीटर, पत्थर गिट्टी 1.92 घन मीटर।

हेतु प्राप्त वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के सापेक्ष स्वीकृति प्राक्कलन के अनुसार निर्धारित तकनीकी विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री संदर्भित कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु इच्छुक फर्म से निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा प्रपत्र 30.01 .2026 से 14.02.2026 तक ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है तथा उसी दिन दिनांक 14.02.2026 को दोपहर 1 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय पंचायत भवन में स्थापित निविदा पेटी में डाली जाएगी तथा उसी दिन दोपहर 3 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में ग्राम प्रधान/ ग्राम सचिव /निविदा समिति के समक्ष खोली जाएगी।

अमरेश कुमार
प्रधान

विपिन कुमार
सचिव

सीने में गोली लगी, आगरा में पुलिस तमंचा बरामद कराने ले गई थी, अरबाज ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी

दरोगा की पिस्टल छीनकर भाग रहा बदमाश अरबाज मारा गया

एनकाउंटर

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । आगरा में राज चौहान मर्डर केस में गिरफ्तार अरबाज खान उर्फ मंसूरी को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। पुलिस अरबाज को मर्डर में इस्तेमाल तमंचे की बरामदगी के लिए रात 2 बजे ले गई थी। डीसीपी सिटी सैय्यद अली अब्बास ने बताया- अरबाज को जीप से उतारकर 6 पुलिसकर्मी ले जा रहे थे, तभी अचानक उनसे दरोगा को धक्का देकर उनकी सरकारी पिस्टल छीन ली। अचानक हुए इस हमले से पुलिस टीम घबरा गई।

भागते वक्त अरबाज ने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू

अरबाज खान, मृतक

कर दी। इसमें सिपाही मनोज कुमार और दरोगा ऋषि को गोली लगी। जबकि दरोगा हरेंद्र कुमार और इंस्पेक्टर भानु प्रताप की बुलेट प्रूफ जैकेट में एक-एक गोली लगी।

पुलिस टीम ने भी जवाबी फायरिंग की। इसमें अरबाज के सीने और पैर में एक-एक गोली लगी। वह घायल होकर वहीं गिर गया। उसे एसएन मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। यह पूरी घटना टेढ़ी बगिया इलाके में काशीराम कालोनी में हुई। कॉलोनी में रहने वाली बुजुर्ग महिला मुन्नी ने बताया कि रात करीब एक बजे गोलियों की आवाज सुनाई पड़ी।

8 साल में 259 अपराधियों को एनकाउंटर में ढेर किया

राज्य सरकार के अनुसार, मार्च 2017 से अक्टूबर 2025 तक यूपी पुलिस ने 259 अपराधियों को एनकाउंटर में ढेर किया है। इस दौरान 15,000 से अधिक पुलिस एनकाउंटर हुए, जिनमें 31,000 से ज्यादा अपराधी गिरफ्तार हुए और 10,000 से अधिक को गोली मारी गई।

पुलिस एनकाउंटर में राज चौहान मर्डर केस के आरोपी के पैर में गोली लगी।

राज हत्याकांड में पुलिस ने 4 घंटे में 3 एनकाउंटर किए

आगरा पुलिस ने राज चौहान मर्डर केस में कल रात 3 अलग-अलग जगहों पर एनकाउंटर किए। पुलिस ने खंदौली निवासी अरबाज खान को बुधवार को ही गिरफ्तार किया था, जो कुछ घंटे बाद एनकाउंटर में मारा गया। जबकि अरबाज के मारे जाने से पहले 2 अन्य आरोपी मोहित पंडित और आशु तिवारी को भी कल देर रात ही एनकाउंटर में गिरफ्तार किया। दोनों के पैर में गोली लगी है। तीनों पर 25-25 हजार का इनाम था। पहला एनकाउंटरः ट्रांस यमुना क्षेत्र में हुआ। यहां रात 12.30 बजे में चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर आरोपी मोहित पंडित से ट्रांस यमुना क्षेत्र में पुलिस की मुठभेड़ हो गई। मोहित के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसके पास से एक अवैध तमंचा, एक जिंदा और एक खोखा कारतूस सहित एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई। मोहित, अभी कालिंदी विहार का रहने वाला था। वह मूल रूप से एटा का रहने वाला है।

एनकाउंटर में मारे गए अरबाज के खंदौली स्थित घर पर ताला लगा है। एनकाउंटर के बाद पुलिस की टीम वहां पहुंची, लेकिन कोई नहीं मिला। परिवार अभी कहां है। इस बारे में कुछ पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि अरबाज क्रिमिनल एक्टिविटी में शामिल रहता था। उनके खिलाफ कितने मुकदमे दर्ज हैं। उसका पता लगाया जा रहा है।

सम्भागीय निरीक्षक प्राविधिक ने किया मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूलों का निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सम्भागीय निरीक्षक प्राविधिक बलवन्त सिंह यादव ने जनपद मे संचालित विभिन्न मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूलों का औचक निरीक्षण मानको की जांच की। इस दौरान दस्तावेजों, वाहनों की स्थिति, प्रशिक्षकों की योग्यता और मान्यता नियमों की गहनता से निरीक्षण कर कमियां मिलने पर सुधार करने और नियमों का उल्लंघन मिलने पर कार्यवाही की चेतावनी भी दी। आज बृहस्पतिवार को सम्भागीय निरीक्षक प्राविधिक श्री यादव ने ए टू जेड़ मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल कबीरपुर, जे0पी ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल, न्यू महावीरा मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूलो का निरीक्षण करते हुये ट्रेनिंग गुणवत्ता,

- दस्तावेजों, वाहन स्थिति, प्रशिक्षकों की योग्यता, मान्यता नियमों की जांच
- एआरटीओ ने किये 3 ओवरलोड़ व 1 अनाधिकृत बस सीज, 35 चालान

पत्रावलियो एंव ड्राइविंग सिखाने के लिए योग्य प्रशिक्षकों की उपस्थिति की जांच करते हुये सरकार द्वारा निर्धारित मानकों का पालन किये जाने को लेकर निर्देशित किया। तो वही सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन ने विभिन्न मार्गो मे चेकिंग के दौरान 3 ओवरलोड़ वाहन व 1 अनाधिकृत रूप से संचालित बस संख्या यू0पी 50 ई0टी 8770 पर मानको का उल्लंघन मिलने पर सीज किया।

विष्णु शर्मा बने राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। वृन्दावन में राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ (पंजी) की बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता चंद्र लाल शर्मा संस्थापक व राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजनारायण द्विवेदी उर्फ राजू भैया ने की। बैठक में क्षेत्र के ब्राह्मण समाज के लोगों ने विशेष रूप से भाग लिया। इसमें राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ के राष्ट्रीय संरक्षक सद्गुरु श्री ऋतेश्वर जी महाराज व गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष रमाकांत उपाध्याय ने बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। इसमें पं.विष्णु शर्मा को राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ का प्रदेश अध्यक्ष,और जितेंद्र सारस्वत को प्रदेश उपाध्यक्ष चुना गया।वहीं भागवत प्रवक्ता साध्वी वर्षा को भी उत्तर प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष चुना गया है। सभी वक्ताओं

ने ब्राह्मण समाज को संगठित करने औरं उनके कल्याण के लिए कार्य करने की प्रतिबद्धता पर बल दिया। सभी इस विषय पर सहमत हुए कि वर्तमान में चल रही आरक्षण व्यवस्था दोषपूर्ण है। इसमें बदलाव की आवश्यकता है। कार्यक्रम के संरक्षक स्वामी रामदेवानंद जी महाराज,गिरिशानंद सरस्वती जी महाराज,सुरेशानंद परमहंस जी महाराज, सहित अन्य संरक्षकों को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ प्रदेश अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने सभा को जिला और तहसील स्तर पर संगठित करने की बात भी कही। राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद बल्लभ गोस्वामी ने बताया कि सभा का पूरे भारतवर्ष में संगठनात्मक ढांचा तैयार हो चुका है। राष्ट्रीय स्तर पर भी शीघ्र ही सभा का सम्मेलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ मिलकर ब्राह्मण समाज को पेश आ रही कठिनाइयों से अवगत करवाया जाएगा और उसके उन्मूलन के लिए सुझाव दिए जाएंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव आचार्य खगोल भारद्वाज, राष्ट्रीय संयोजक पंडित रामगोपाल, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी बंसी तिवारी, मुकेश सारस्वत उपसभापति मथुरा वृंदावन नगर निगम आदि लोग मौजूद रहे।

बक्सर प्लांट के शुभारंभ के साथ जेके सीमेंट 31 एमटीपीए क्षमता पार

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। भारत की अग्रणी सीमेंट निर्माता कंपनी जेके सीमेंट लिमिटेड ने बिहार के बक्सर में अपने अत्याधुनिक ग्रे सीमेंट प्लांट का शुभारंभ कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस नए प्लांट के जुड़ने से कंपनी की कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 31.26 मिलियन टन प्रति वर्ष हो गई है, जिससे जेके सीमेंट ने 30 एमटीपीए का आंकड़ा पार कर लिया है और देश की शीर्ष पाँच ग्रे सीमेंट उत्पादक कंपनियों में स्थान बना लिया है।

जेके सीमेंट के प्रबंध निदेशक डॉ. राघवपत सिंघानिया ने इसे कंपनी की विकास यात्रा का अहम पड़ाव बताते हुए कहा कि बक्सर प्लांट बिहार के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा और कंपनी की राष्ट्रीय उपस्थिति को और मजबूत करेगा। वहीं संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं सीईओ माधवकृष्ण सिंघानिया ने कहा कि स्थानीय उत्पादन से कंपनी अब बिहार में तेज, प्रभावी और बेहतर सेवा प्रदान कर सकेगी।

3 एमटीपीए क्षमता वाला यह प्लांट लगभग 100 एकड़ क्षेत्र में फैला है और पटना-बक्सर हाईवे पर स्थित है। इस परियोजना में लगभग 500 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। प्लांट से न केवल बुनियादी ढांचे और निर्माण क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, बल्कि बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार

कैबिनेट बैठक में पूर्व घोषित कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रस्ताव पास

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ, बाराबंकी के जिलाध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह एवं जनपद की समस्त कार्यकारिणी ने परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, रसोइयों एवं उनके आश्रित परिवार-जनों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान किए जाने का प्रस्ताव कैबिनेट बैठक में पास किये जाने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया है। जिलाध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह ने कहा कि यह निर्णय शिक्षकों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक और सराहनीय कदम है, जिससे लाखों परिवार लाभान्वित होंगे। इससे

बेसिक शिक्षा परिवार से जुड़े सभी सदस्यों पर स्वास्थ्य चिंताओ में कमी होगी और चिकित्सा सम्बन्धी आर्थिक बोझ कम होगा । बेसिक शिक्षा परिवार से जुड़े सदस्यों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सुलभ होंगी। इस अवसर पर जिला मंत्री उमानाथ मिश्रा, जिला कोषाध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव,प्रांतीय संगठन मंत्री एवं जनपदीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ 0 देवेंद्र द्विवेदी , जिला मीडिया प्रभारी जय कुमार, ललित पांडे ब्लॉक त्रिवेदीगंज अध्यक्ष शिवसागर सिंह , ब्लॉक अध्यक्ष दरियाबाद सुनील त्रिपाठी, ब्लाक निंदूरा अध्यक्ष अनिल सिंह, ब्लॉक बनीकोडर अध्यक्ष राजेश सिंह ,ब्लॉक रामनगर अध्यक्ष हनुमंत अवस्थी ,ब्लॉक बंकी अध्यक्ष किरन विश्वकर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष सिरौलीगौसपुर दिलीप तिवारी , मोहम्मद आसिम ,श्यामकिशोर बाजपेयी , चन्द्रप्रकाश श्रीवास्तव, अनवार अहमद एवम् ललित वर्मा सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शून्य से नीचे तापमान में कर्मचारियों की सुरक्षा को दी प्राथमिकता

महाप्रबंधक उत्तर रेलवे ने श्रीनगर कटरा खंड का किया निरीक्षण

- श्री वर्मा ने कहा शून्य से नीचे के तापमान में अथक परिश्रम करने वाले हमारे कर्मचारियों की सुरक्षा और कल्याण सर्वोपरि है

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली । उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने आज श्रीनगर से कटरा रेल खंड का गहन निरीक्षण किया। यह निरीक्षण ऐसे महत्वपूर्ण समय में किया गया है जब कश्मीर घाटी भारी बर्फबारी और शून्य से नीचे (सब-जीरो) तापमान के कारण मौसम की कठिन परिस्थितियों का सामना कर रही है। निरीक्षण का एक मुख्य आकर्षण महाप्रबंधक का

कर्मचारियों (ग्राउंड स्टाफ) और ट्रैक मेंटेनर्स के साथ संवाद था। जमा देने वाली ठंड में काम करने के प्रति उनके समर्पण को स्वीकार करते हुए, श्री वर्मा ने सर्दियों के दौरान पटरियों के रखरखाव में उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में उनसे सीधा फीडबैक लिया। उन्होंने साथ आए अधिकारियों को निर्देश दिया कि कर्मचारियों को सभी आवश्यक शीतकालीन उपकरण और सुरक्षा गियर तत्काल उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि मौजूदा जलवायु परिस्थितियों को देखते हुए ट्रैक के रखरखाव को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए कार्यबल पूरी तरह से सुसज्जित होना चाहिए।

प्रमुख स्टेशनों और बुनियादी ढांचे का निरीक्षण

अपने दौरे के दौरान, महाप्रबंधक ने श्रीनगर, पंपोर, अनंतनाग और काजीगुंड सहित कई प्रमुख स्टेशनों का निरीक्षण किया। उन्होंने इन स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की बारीकी से समीक्षा की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भीषण सर्दी के बावजूद यात्रियों को असुविधा न हो। श्री वर्मा ने विभिन्न सुरंगों और पुलों पर चल रहे रखरखाव और निर्माण कार्यों की समीक्षा पर विशेष ध्यान दिया। उच्चतम सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए, उन्होंने व्यक्तिगत रूप से पॉइंट्स, स्विच और टर्नआउट्स सहित महत्वपूर्ण ट्रैक तत्वों का निरीक्षण किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कड़ाके की ठंड के दौरान भी वे सुचारू रूप से कार्य करते रहें।

निरीक्षण का समापन करते हुए, महाप्रबंधक ने क्षेत्र में चल रही अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को सख्त समय सीमा का पालन करने की सलाह दी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रेल नेटवर्क मजबूत बना रहे और मौसम के कारण विकास कार्यों में बाधा न आए।

एकतरफा प्यार में युवती पर सर्जिकल ब्लेड से हमला

कानपुर । कानपुर में एकतरफा प्यार में युवक ने युवती पर सर्जिकल ब्लेड से हमला कर दिया। चेहरे और कलाई पर 13 वार किए। वह दर्द से कराहने लगी। चीख-पुकार सुनकर मोहल्ले के लोग दौड़े। आरोपी को पकड़ लिया और पीट-पीट की अधमरा कर दिया। फिर पुलिस के हवाले कर दिया।

वहीं, युवती को घरवालों ने हैलट में भर्ती कराया है। गुस्साए घरवाले और लोगों ने कार्रवाई की मांग करते हुए थाने में हंगामा किया। परिजनों ने बताया कि 9 दिन बाद, 7 फरवरी को युवती की शादी होनी है। मामला बुधवार देर शाम नजीराबाद थाना क्षेत्र का है।

नजीराबाद थाना क्षेत्र के भदौरिया चौराहा इलाके में रहने वाली 24 वर्षीय युवती के परिवार में माता-पिता, दो बच्चे एक बेटा और एक बेटी है। लड़की का भाई ठेला लगाता है। परिजनों ने बताया कि उनके घर के पास एल्युमिनियम कारखाना है। फैक्ट्री में बीते दो साल से गोलू नाम का युवक काम करता है।

परिजनों ने जताई हत्या या बेच दिए जाने की आशंका

तमसा संकेत, संवाददाता

- काम दिलाने के बहाने महिला व दो मासूम बच्चों के लापता होने का आरोप

बाराबंकी। जनपद के थाना रामपुर मथुरा क्षेत्र के ग्राम रामपुर मथुरा निवासी एक महिला ने अपनी विवाहित पुत्री और उसके दो मासूम बच्चों के रहस्यमय ढंग से लापता होने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक बाराबंकी को प्रार्थना-पत्र देकर आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई और लापता लोगों की शीघ्र बरामदगी की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थिनी मैकी पत्नी रामनरेश की पुत्री ननकई की शादी मालमोहारा निवासी विक्रम पुत्र रघुनाथ के साथ हुई थी। ननकई के तीन पुत्र हैं, जिनमें शोभित (7 वर्ष), आदित्य (5 वर्ष) और शिवांस (3 वर्ष) शामिल हैं। बताया गया कि ननकई का पति मजदूरी के सिलसिले में पंजाब में रहता है।

आरोप है कि ननकई का पड़ोसी इंदर यादव पुत्र रामसेवक, निवासी मालमोहारा, थाना मोहम्मदपुर खाला तथा उसका रिश्तेदार दिलीप निवासी ग्राम बबुरिहा, थाना चिनहट, जनपद लखनऊ, कई बार ननकई से यह कहते रहे कि उन्होंने उसके लिए लखनऊ में काम की व्यवस्था कर दी है। इसी बहाने दिनांक 30 नवंबर 2025 को इंदर यादव ननकई तथा उसके दो छोटे बच्चों आदित्य और शिवांस को अपने साथ ले गया। प्रार्थिनी का आरोप है कि इसके बाद कई दिनों तक इंदर यादव अलग-अलग मोबाइल नंबरों से संपर्क करता रहा और यह भरोसा दिलाता रहा कि ननकई का काम लग गया है। जब भी ननकई से बात कराने को कहा गया, तो वह कोई न कोई बहाना बनाकर टाल देता रहा। धीरे-धीरे इंदर यादव और ननकई दोनों से संपर्क पूरी तरह टूट गया, जिससे परिजनों की चिंता बढ़ गई।

पृष्ठ 01 का शेष...

यूपी में टीचर्स ...

कैबिनेट बैठक में ये फैसले भी लिए गए - यूपी मोटरयान कराधान अधिनियम, 1997 में बदलाव कर नई कर अधिसूचनाएं जारी की जाएंगी। जिससे राजस्व बढ़े और परिवहन कर ढांचे में सुधार हो।

बरेली और मुरादाबाद में विज्ञान पार्क और नक्षत्रशाला बनाने के लिए दोनों शहरों के विकास प्राधिकरण को कार्यदायी संस्था बनाया गया है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के भविष्य में विस्तारीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण का प्रस्ताव पास किया गया।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग नोएडा में मेट्रोपोलेटिन कॉरपोरेशन बनेगा।

अटल नवीकरण और शहरी रूपांतरण मिशन 2.0 (अमृत-2.0) योजना के तहत गोरखपुर नगर निगम के 17 वार्ड में सीवरेज योजना जोन ए-3 से संबंधित परियोजना के लिए 721 करोड़ 40 लाख 41 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा वाराणसी में सीवरेज से 18 अत्यधिक प्रभावित वार्डों में लाइन बिछाने और घरों से जोड़ने के लिए 266 करोड़ 49 लाख 44 हजार रुपए खर्च होंगे।

उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण नीति-2020 में संशोधन करने का प्रस्ताव पास किया गया।

पार्टी में मतभेदों के...

वहीं केरल का CM बनने के सवाल पर थरूर ने कहा कि मेरी इस बारे में कभी बात नहीं हुई। मुझे किसी भी चीज के लिए उम्मीदवार बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। पीटीआई के अनुसार 19 जनवरी को कोच्चि में एक कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने मंच पर मौजूद कई वरिष्ठ नेताओं का नाम लिया, लेकिन शशि थरूर को नजरअंदाज कर दिया था।

थरूर के करीबी सूत्रों के मुताबिक यह घटना उनके लिए टिपिंग पॉइंट साबित हुई। इससे पहले भी राज्य के कुछ नेता उन्हें नजरअंदाज करने की कोशिश कर चुके हैं, जिससे वह असहज महसूस कर रहे थे।

यूजीसी के नए नियमों...

और इनके दुरुपयोग की आशंका है.

कोर्ट ने इन नियमों के लागू होने पर फ़िलहाल रोक लगा दी, और सुझाव दिया कि विशेषज्ञों की एक समिति इन नियमों में खामियों को भरने पर विचार कर सकती है.

भारत में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में भेदभाव रोकने के लिए यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन या यूजीसी ने 13 जनवरी 2026 को नए नियम जारी किए थे. ये नियम इसी विषय पर 2012 में लागू किए गए नियमों की जगह जारी किए गए मुख्य न्यायाधीश ने मौखिक रूप से यह भी कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि नए नियमों का मसौदा तैयार करते समय कुछ पहलुओं की नज़रअंदाज़ किया गया.

अब इस मामले की अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी और इसे रोहित वेमुला की मां की ओर से 2012 के यूजीसी नियमों को चुनौती देने वाली याचिका के साथ सुना जाएगा.

सुप्रीम कोर्ट ने ...

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि नए नियमों में अस्पष्टता है और उनका दुरुपयोग हो सकता है.

उन्होंने भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वह अदालत को एक विशेषज्ञों की समिति का सुझाव दें, जो इस मुद्दे की जांच कर सके. प्रधान न्यायाधीश ने यह भी कहा कि यूजीसी को इन याचिकाओं पर अपना जवाब दाख़िल करना चाहिए.

'आर्थिक रिपोर्ट ...

इसे मुख्य रूप से दो हिस्सों में बांटा जाता है.

रिपोर्ट का पहला हिस्सा देश की अर्थव्यवस्था की एक 'बड़ी तस्वीर' पेश करता है. यह खंड मुख्य रूप से विश्लेषणात्मक और भविष्योन्मुखी (Forward-looking) है, जिसमें आने वाले समय की आर्थिक चुनौतियों और आवश्यक नीतिगत सुधारों पर गहन चर्चा की गई है. इसमें GDP ग्रोथ के अनुमान, मुद्रास्फीति (महंगाई) के रुझान, राजकोषीय घाटे की स्थिति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार जैसे महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक संकेतकों (Macroeconomic Indicators) का विस्तृत विश्लेषण शामिल होता है, जो आगामी बजट के लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है.

वहीं, रिपोर्ट का दूसरा हिस्सा अधिक डेटा-केंद्रित और तथ्यात्मक है, जिसे 'आंकड़ों का खेल' कहा जा सकता है. यह खंड पिछले वित्त वर्ष के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के प्रदर्शन का बारीकी से लेखा-जोखा देता है. इसमें खेती-बाड़ी (Agriculture), भारी और सूक्ष्म उद्योग (Industry) तथा सेवा क्षेत्र (Services) के साथ-साथ बुनियादी ढांचे (Infrastructure) के विकास की सांख्यिकीय समीक्षा की गई है. इसके अतिरिक्त, यह हिस्सा स्वास्थ्य, शिक्षा, गरीबी उन्मूलन और जलवायु परिवर्तन जैसे सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर भी ठोस डेटा पेश करता है, जिससे नीति निर्माताओं को जमीन स्तर पर हुए बदलावों को समझने में मदद मिलती है.

विजय चौक पर हुई ...

वहीं नौसेना बैंड ने वंदे मातरम् की 150वीं सालगिरह के मौके पर तीन आकृतियां बनाईं।

समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, तीनों सेनाओं के प्रमुख सहित अन्य केंद्रीय मंत्री और आम नागरिक मौजूद रहे। विजय चौक की सभी प्रमुख इमारतों को रंग-बिरंगी लाइटिंग से सजाया गया है।

एक दिन पहले गणतंत्र दिवस परेड 2026 के लिए बेस्ट मार्चिंग टुकड़ी और बेस्ट झांकी के नतीजों की घोषणा की गई। तीनों सेनाओं में इंडियन नेवी को बेस्ट मार्चिंग टुकड़ी चुना गया। सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स और सहायक बलों की कैटेगरी में दिल्ली पुलिस को पहला स्थान मिला। केरल ने 'वॉटर मेट्रो और 100% डिजिटल साक्षरता: आत्मनिर्भर भारत के लिए आत्मनिर्भर केरल' थीम के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

संस्कृति मंत्रालय को 'वंदे मातरम- द सोल क्राई ऑफ ए नेशन' थीम पर बेस्ट झांकी का पुरस्कार दिया गया।

मीडिया वाले मुझसे ...

मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान मेडिकल कॉलेज प्रबंधन पर तंज भी कसा। जब डीन डॉ. संजय दादू ने कहा कि मेडिकल कॉलेज अस्पताल के लिए आईटीआई कॉलेज के पीछे 14 एकड़ जमीन आवंटित है लेकिन निर्माण के लिए बजट स्वीकृत नहीं हो पाया है।

इस पर मंत्री शाह ने कहा- आपने 6 साल बाद जाकर इस डाकिये को बुलाया है। अब यह डाकिया आपकी मांग को सरकार तक भिजवाएगा। इस कॉलेज का नामकरण पूर्व सांसद नंदकुमार सिंह चौहान के नाम से है। मैं बता दूं कि इस उपलब्धि में मेरी भी बड़ी भूमिका थी।

कॉन्फ्रेंस में मेडिकल स्टूडेंट्स ने समस्या रखी कि उन्हें अस्पताल जाने के लिए ऑटो या रिक्शे का सहारा लेना पड़ता है। इस पर मंत्री शाह ने हरसूद के सरकारी कॉलेज का जिक्र किया। कहा- मैंने वहां कॉलेज स्टूडेंट की सुविधा के लिए चार बसें दिलाई हैं। आपको भी इसी मार्च महीने तक एक बस दिला दूंगा।

उन्होंने कहा- डीन लिखकर दें कि बस के डीजल और ड्राइवर की व्यवस्था हम लोग कर लेंगे।

अजित पवार का...

हादसे में पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू समेत 5 लोगों की मौत हुई। पवार 5 फरवरी को पुणे में होने वाले जिला परिषद चुनावों के लिए 4 रैलियों को संबोधित करने वाले थे। पवार के निधन पर महाराष्ट्र में 3 दिन का राजकीय शोक रखा गया है।

बारामती एयरफील्ड अनकंट्रोल्ड है, यानी यहां ATC की जगह फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन के इंस्ट्रक्टर ट्रैफिक की जानकारी देते हैं। विमान ने सुबह 8:18 बजे बारामती से पहली बार संपर्क किया। विमान का अगला कॉल लैंडिंग साइट से 30 नॉटिकल माइल (NM) यानी करीब 55 किमी की दूरी पर किया गया।

101 मीटर लंबा सिक्स भी लगाया, रिंकू ने चार कैच पकड़े, भारतीय टीम 18.4 ओवर में 165 रन पर ऑलआउट

शिवम दुबे की भारत के लिए तीसरी सबसे तेज फिफ्टी

मुकाबला

विशाखापट्टनम, एजेंसी

न्यूजीलैंड ने टी-20 सीरीज के चौथे मुकाबले में भारत को 50 रन से हरा दिया। विशाखापट्टनम में 216 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 18.4 ओवर में 165 रन पर ऑलआउट हो गई।

इस हार के बावजूद भारत के लिए सबसे बड़े पॉजिटिव शिवम दुबे रहे। उन्होंने महज 16 गेंदों में अर्धशतक जड़कर टी-20 इंटरनेशनल में भारत की ओर से तीसरी सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड अपने नाम किया। पारी की पहली ही गेंद पर उन्होंने 101 मीटर लंबा छक्का लगाया।

मैट हेनरी ने 3 ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिए।

फील्डिंग में रिंकू सिंह छाए रहे। उन्होंने मुकाबले में चार शानदार कैच लपककर इतिहास रच दिया और एक पारी में चार कैच पकड़ने वाले भारत के दूसरे आउटफील्डर बन गए।

मैट हेनरी टी-20 इंटरनेशनल इतिहास में दूसरे ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने एक ही सीरीज में दो बार किसी टीम के ओपनर को पारी की पहली गेंद पर आउट किया। इसी सीरीज में हेनरी ने पहले गुवाहाटी में संजू सैमसन को और फिर विशाखापट्टनम में अभिषेक शर्मा को पहली ही गेंद पर पवेलियन भेजा। इससे पहले ऐसा कारनामा 2023 में नॉर्डिक T20 कप के दौरान अबदुल नासिर बलूच (स्वीडन) ने किया था।न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ टी-20 में अपना दूसरा सबसे बड़ा टोटल बनाया। टीम ने 215 रन बनाए। इससे पहले न्यूजीलैंड ने वेलिंगटन में 219 रन बनाए थे। वहीं अगर भारत की सरजमीं की बात करें, तो भारत में यह 2017 के बाद पहली 100+ ओपनिंग पार्टनरशिप रही। इससे पहले राजकोट में कॉलिन मुनरो और मार्टिन गप्टिल ने 105 रन की ओपनिंग साझेदारी की थी।

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर 6 बॉल पर 11 रन ही बना सके।

> **टी-20 में भारत के खिलाफ 2022 के बाद पहली बार 100 से ज्यादा की ओपनिंग साझेदारी देखने को मिली। इससे पहले ऐसा कारनामा टी-20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल में हुआ था, जब जोस बटलर और एलेक्स हेल्स ने एडिलेड में नाबाद 170 रन की ओपनिंग साझेदारी की थी।**

दुबे की भारत के लिए तीसरी सबसे तेज फिफ्टी

शिवम दुबे ने भारत के लिए तीसरी सबसे तेज टी-20 फिफ्टी लगा दी। उन्होंने 15वीं बॉल पर सिक्स लगाकर अर्धशतक पूरा किया।

इससे पहले इसी सीरीज में अभिषेक शर्मा ने सिर्फ 14 गेंदों में अर्धशतक लगाकर दूसरी सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड बनाया था। भारत के लिए T20I में सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम है, जिन्होंने 2007 टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ 12 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था।

भारत की नैया तो नहीं पार लगा पाए शिवम

पर न्यूजीलैंड के खिलाफ किया धमाका

नई दिल्ली। विशाखापट्टनम में 28 जनवरी को हाथ से निकल चुके मैच में शिवम दुबे (65) ने केवल 15 गेंद में अर्धशतक जड़कर भारत की जीत की उम्मीदों को जीवित रखा, लेकिन दुर्भाग्य से वे रनआउट हो गए और 82 रन पर पांच विकेट गंवाकर भंवर में फंसी टीम की नैया को पार नहीं लगा सके। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी-20 मुकाबले में 216 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 165 रन ही बना सकी और कीवी टीम ने 50 रन से ये मैच अपने नाम किया। मैच में भारत की तरफ से चला तो सिर्फ, शिवम दुबे का बल्ला, जिन्होंने 23 गेंद की पारी में 7 छक्के और 3 चौके लगाए और 65 रन की पारी खेली। उन्होंने इस दौरान रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा।दरअसल, 216 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और अभिषेक शर्मा पहली ही गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन और हार्दिक पांड्या बल्ले से फ्लॉप रहे। स्कोर बोर्ड पर 63 रन ही जुड़े थे और 4 बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे। तब क्रीज पर आए शिवम ने रिंकू (39) के साथ पारी को संभाला, लेकिन रिंकू भी 11वें ओवर में फाल्क्स की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। टीम संकट में थी, लेकिन शिवम ने ईश सोढी के अगले ओवर में तीन छक्के और दो चौके जड़कर 28 रन कूट कर भारत की उम्मीदों को जीवंत कर दिया।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तीनों फॉर्मेट के लिए अपने नए कप्तान का किया एलान

टी20 विश्व कप 2026 से पहले किसे मिली कमान?

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सोफी मोलिनक्स को तीनों फॉर्मेट में एलिसा हीली की जगह कप्तान के तौर पर नियुक्त किया है, जिससे महिला क्रिकेट कप्तानी में बड़ा बदलाव आया है। एलिसा हीली ने भारत के खिलाफ आगामी सीरीज के बाद रिटायरमेंट लेने का एलान पहले ही कर दिया है, तो ऐसे में अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने नए कप्तान का एलान किया है।

बाएं हाथ की स्पिनर सोफी मोलिनक्स आगामी घरेलू टी20 सीरीज में भारत के खिलाफ कप्तानी संभालेंगी। वहीं, एलिसा हीली टेस्ट और वनडे में इस मल्टी फॉर्मेट सीरीज में कप्तानी की जिम्मेदारी को संभालेंगी, जिसके बाद वे इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लेंगी।

दरअसल, महिला टी20 विश्व कप 2026 शुरू होने में कुछ ही

महीने बचे हैं, ऐसे में ऑस्ट्रेलिया ने नए कप्तान के चयन के लिए तुरंत कदम उठाए हैं। कप्तान नियुक्त होने के बाद मोलिनक्स ने कहा, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान बनना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है और मुझे इस पर बेहद गर्व है, खासकर एलिसा के बाद, जिन्होंने इस टीम और खेल पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है। हमारे पास एक बहुत मजबूत ग्रुप है, जिसमें कई नेचुरल लीडर हैं और कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी मौजूद हैं जिनके साथ मैं काम करने के लिए काफी उत्सुक हूं।

निकोला कैरी की वापसी

भारत के खिलाफ होने वाली आगामी सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। ऑलराउंडर निकोला कैरी टी20 स्क्वॉड और वनडे दोनों ही टीम में वापसी देखने को मिली है और युवा खिलाड़ी लूसी हैमिल्टन को टेस्ट टीम में शामिल किए गए 14 खिलाड़ियों में स्थान दिया गया है। अनुभवी तेज गेंदबाज मेगन शट को भी वनडे टीम में जगह नहीं मिली है। पिछले साल आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद दाएं हाथ की इस गेंदबाज को टीम में शामिल नहीं किया गया है।

क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा खुद से सवाल करने लगा था कि क्रिकेट क्यों खेल रहा हूं

सम्मान नहीं मिलने के कारण लिया था संन्यास : युवराज

दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेटर युवराज सिंह ने जून 2019 में क्रिकेट से संन्यास लेने के पीछे की असली वजह बताई है। युवराज ने सानिया मिर्जा के साथ एक पॉडकास्ट में कहा कि उन्हें उस समय न खेल में खुशी मिल रही थी, न ही टीम मैनेजमेंट और माहौल से वह सम्मान, जिसके वे हकदार थे।

44 साल के युवराज ने कहा, 'मैं अपने खेल का आनंद नहीं ले पा रहा था। जब मजा ही नहीं आ रहा था, तो खुद से सवाल करने लगा कि आखिर क्रिकेट क्यों खेल रहा हूं। सपोर्ट और सम्मान की कमी भी महसूस हो रही थी।' युवराज ने आखिरी इंटरनेशनल मैच 30 जून 2017 को एंटीगुआ में खेला था। उन्होंने वेस्टइंडीज के

युवराज सिंह ने 10 जून, 2019 को मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। तस्वीर उसी वक्त की है।

खिलाफ इस वनडे मैच में 39 रन बनाए थे।

युवराज ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि एक समय ऐसा भी था जब उनकी काबिलियत पर शक किया गया था। उन्होंने बताया, 'जब मैं 13-14 साल का था, तब एक सीनियर खिलाड़ी

मानसिक और शारीरिक रूप से थक चुका था

युवराज सिंह ने साफ किया कि संन्यास लेने के बाद उन्हें मानसिक शांति मिली। उन्होंने माना कि क्रिकेट ने उन्हें बहुत कुछ दिया, लेकिन सही समय पर रुकना भी जरूरी होता है। युवराज ने कहा, 'मैं मानसिक और शारीरिक रूप से थक चुका था। यह सोचकर परेशान था कि मैं क्या साबित करने के लिए खेल रहा हूं। जिस दिन मैंने क्रिकेट छोड़ा, उसी दिन मुझे लगा कि मैंने फिर से खुद को पा लिया है।'

(जो उस समय टीम इंडिया के लिए खेल रहे थे) ने मेरे पिता से शायद औपचारिकता में कुछ कह

वर्ल्ड कप 2019 में चयन न होना टर्निंग पॉइंट बना

युवराज को 2019 वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। उन्हें टीम में नंबर-4 स्लॉट के लिए चुने जाने की चर्चा थी। लेकिन, उन्हें खुद इसकी उम्मीद नहीं थी। चयन न होने के बाद युवराज ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इंटरनेशनल क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास का ऐलान कर दिया था। IPL में उनका आखिरी सीजन 2019 रहा। इसमें वे मुंबई इंडियंस की ओर से खेल रहे थे। युवी को इस सीजन में ज्यादा मैच खेलने को नहीं मिले थे। युवराज ने माना कि जब आप मानसिक रूप से खेल का लुत्फ उठाना बंद कर देते हैं, तो मैदान पर प्रदर्शन करना और भी कठिन हो जाता है।

दिया था। उन्हें लगा होगा कि मुझमें उतनी प्रतिभा नहीं है। मैंने इसे व्यक्तिगत रूप से नहीं लिया, लेकिन मेरे पिता को यह बात बहुत बुरी लगी थी।' वनडे वर्ल्ड कप 2011 में युवराज सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता था।

मनोरंजन

आर्यन खान की सीरीज के खिलाफ याचिका खारिज, शाहरुख खान से मांगा था 2 करोड़ का मुआवजा

समीर वानखेड़े को दिल्ली हाई कोर्ट से झटका

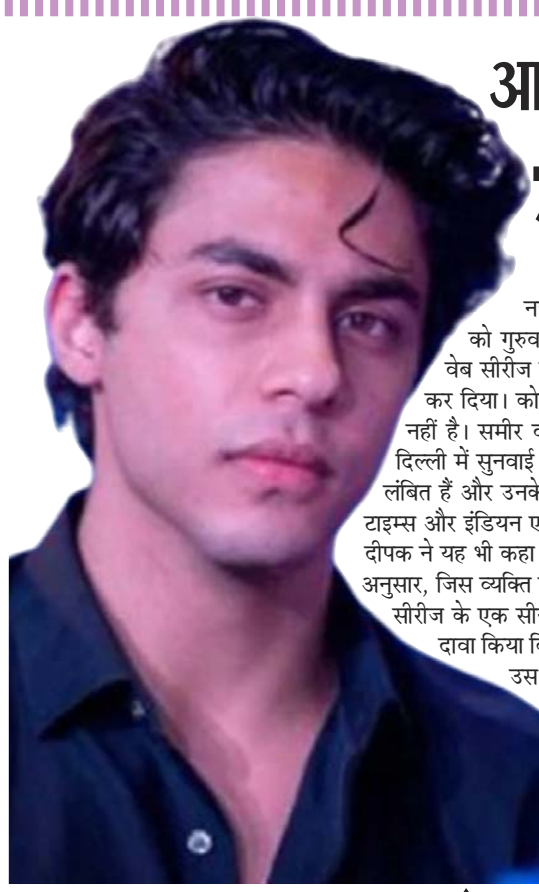

नई दिल्ली। आर्यन खान ड्रग केस के जांच अधिकारी रहे समीर वानखेड़े को गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट से झटका लगा। अदालत ने आर्यन खान की वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के खिलाफ दायर उनकी याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मामले की सुनवाई करने का उसके पास अधिकार नहीं है। समीर वानखेड़े की वकील जे. साई दीपक ने दलील दी थी कि यह मामला दिल्ली में सुनवाई योग्य है। उन्होंने कहा कि वानखेड़े से जुड़े विभागीय मामले दिल्ली में लंबित हैं और उनके खिलाफ खबरें प्रकाशित करने वाले मीडिया संस्थान, जैसे हिंदुस्तान टाइम्स और इंडियन एक्सप्रेस भी दिल्ली में स्थित हैं।

दीपक ने यह भी कहा कि इस मामले में पहले से ही दोनों पक्षों के बीच विवाद रहा है। उनके अनुसार, जिस व्यक्ति को पहले गिरफ्तार किया गया था, वही इस सीरीज का निर्देशक है और सीरीज के एक सीन में सीधे तौर पर समीर वानखेड़े को निशाना बनाया गया है। उन्होंने दावा किया कि सीरीज निर्माताओं की नाराजगी और बदले की भावना का सीधा संबंध उस कथित मानहानि से है, जिसका सामना वानखेड़े को इस कंटेंट की वजह से करना पड़ा। दरअसल, सीरीज बॉलीवुड बैकड्रॉप पर बनी है। इसके पहले एपिसोड में दिखाया गया है बॉलीवुड सेलेब्स एक सक्सेस पार्टी का हिस्सा बने हैं, जिसके बाहर एक अधिकारी को ड्रग का सेवन कर रहे लड़के को गिरफ्तार करते दिखाया गया है। इस किरदार को समीर वानखेड़े से काफी मिलता-जुलता दिखाया गया है। सीरीज जारी होने के बाद सोशल

मीडिया पर भी उस किरदार की तुलना समीर वानखेड़े से हुई थी। इस सीरीज में कई बॉलीवुड एक्टर्स ने कैमियो किया है। सीरीज के 7वें एपिसोड में रणबीर कपूर को ई-सिगरेट पीते दिखाया गया है। जिसके बाद उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है।

> **समीर वानखेड़े ने इस मुकदमे में 2 करोड़ रुपए का मुआवजा भी मांगा था। उनका कहना था कि वह इस राशि को टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल में कैंसर मरीजों के इलाज के लिए दान करना चाहते हैं।**

IANS के अनुसार, यह शिकायत विनय जोशी नामक व्यक्ति ने दर्ज कराई। उनका कहना है कि शो के सातवें एपिसोड में रणबीर कपूर ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते दिखे, लेकिन इस दौरान किसी तरह की हेल्थ वॉर्निंग या डिस्क्लेमर नहीं दिया गया।

आर्यन खान के ड्रग केस में जांच अधिकारी थे समीर वानखेड़े

2 अक्टूबर 2021 में नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने गोवा जा रहे कोर्डिएला क्रूज से आर्यन खान और उनके दोस्तों को ड्रग लेने के आरोप में गिरफ्तार किया था। तत्कालीन जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े की टीम, पैसेंजर बनकर शिप पर चढ़ी। रात 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चली छापेमारी में कोकीन और चरस सहित दूसरे ड्रग्स बड़ी मात्रा में जब्त किए गए। आर्यन खान को इस मामले में कई हफ्तों तक आर्थर रोड जेल में रखा गया था। जमानत के कागजात में देरी के कारण आर्यन 30 अक्टूबर को आर्थर रोड जेल से रिहा हुए। फिर 27 मई, 2022 को आर्यन खान और 5 अन्य को पर्याप्त सबूत के अभाव में क्लीन चिट दे दी गई। इस रेड के चलते समीर वानखेड़े भी जांच के दायरे में आ गए थे। उस समय उनकी और शाहरुख खान के बीच हुई चैट भी पेश की गई थी। चैट में शाहरुख, समीर वानखेड़े से मदद मांग रहे थे।

रणवीर सिंह के खिलाफ एफआईआर

चावुंडी दैव परंपरा और हिंदू भावनाओं के अपमान का आरोप, कांतारा की देवी को भूत कहकर मजाक उड़ाया था

नई दिल्ली, एजेंसी

बेंगलुरु के हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन में बुधवार को बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह के खिलाफ हिंदू धार्मिक भावनाओं और कर्नाटक की चावुंडी दैव परंपरा का अपमान करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला 28 नवंबर 2025 को गोवा में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (IFFI) से जुड़ा है। रणवीर सिंह के खिलाफ यह एफआईआर बेंगलुरु के वकील प्रशांत मेथल ने दर्ज कराई है।

अब यह मामला बेंगलुरु की प्रथम अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट (CMM) अदालत को भेज दिया गया है और 8 अप्रैल को इस मामले में सुनवाई की जाएगी। बता दें, वकील प्रशांत मेथल ने 27 दिसंबर 2025 को बेंगलुरु में अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष एक निजी शिकायत दर्ज की गई थी, जिसके बाद 23 जनवरी 2026 को अदालत ने बीएनएस की धारा 175, उपधारा 3 के तहत हाई ग्राउंड्स पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था। रणवीर सिंह 28 नवंबर 2025 को गोवा में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया का हिस्सा बने थे। इस दौरान मंच पर उन्होंने फिल्म कांतारा में दिखाई गईं चावुंडी (चामुंडा) देवी का मजाक बनाया था। रणवीर सिंह ने फिल्म के डायरेक्टर और एक्टर ऋषभ शेट्टी से कहा, 'ऋषभ मैंने इसे (कांतारा) थिएटर में देखा था। वो एक आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस थी, खासकर जब फीमेल घोस्ट (भूत) आपके शरीर में आती है।

पणजी में भी दर्ज हुई शिकायत

बैंगलोर में दर्ज हुई इस शिकायत से पहले भी रणवीर सिंह के खिलाफ पणजी में शिकायत दर्ज हो चुकी है। 2 दिसंबर को हिंदू जनजागृति समिति ने धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में रणवीर के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। उन्होंने कानूनी कार्यवाही के साथ माफी की भी मांग की थी, जिसके बाद एक्टर ने सार्वजनिक तौर पर माफीनामा जारी किया था।

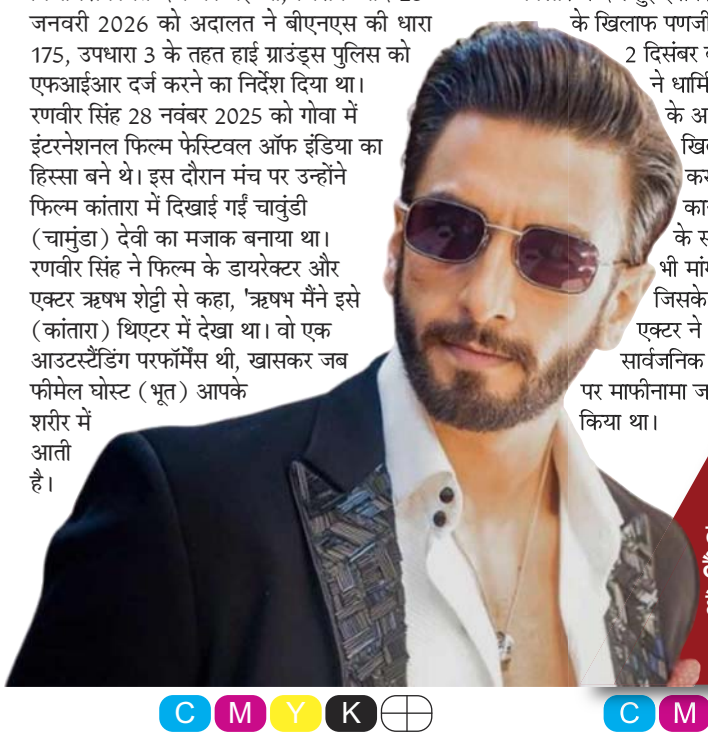

> **शिकायतकर्ता का आरोप है कि रणवीर सिंह ने मंच पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं और ऐसा अभिनय किया, जिससे दैवा परंपरा के पवित्र तत्वों का मजाक उड़ाया गया। शिकायत में कहा गया है कि रणवीर ने पंजुरली और गुलिगा दैवा से जुड़े भाव-हावभाव की नकल की और उन्हें भद्दे, हास्यास्पद और अपमानजनक तरीके से प्रस्तुत किया।**

इसके अलावा अभिनेता पर चावुंडी दैव को 'महिला भूत' कहने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, चावुंडी दैवा कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में पूजनीय रक्षक देवी मानी जाती हैं और वे दिव्य स्त्री शक्ति का प्रतीक हैं। उन्हें 'भूत' कहना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया गया है।

'मर्द 60 की उम्र में भी रोमांटिक हीरो'

बॉलीवुड में पक्षपात पर बॉर्डर 2 एक्ट्रेस मोना सिंह का तंज!

नई दिल्ली। 44 साल की मोना सिंह (Mona Singh) ने लाल सिंह चड्ढा में 16 साल बड़े अभिनेता आमिर खान (Aamir Khan) की मां की भूमिका निभाकर सभी को चौंका दिया था। इतनी कम उम्र में मां की भूमिका निभाने से जहां एक्ट्रेसेस कतराती हैं, वहीं मोना ने यह रिस्क उठाया। मोना सिंह ने बॉर्डर 2 (Border 2) और मुंज्या जैसी फिल्मों में भी मां की भूमिका निभा चुकी हैं। हाल ही में, एक्ट्रेस ने अपने 40s में उम्र में बड़े एक्टर्स की मां की भूमिका निभाने पर रिएक्शन दिया है। साथ ही इंडस्ट्री में एक्ट्रेसेस और एक्टर्स के बीच के पक्षपात पर भी बात की है। मोना सिंह ने एक हालिया इंटरव्यू में बताया कि लोग उनसे हमेशा पूछते हैं कि वह स्क्रीन पर बूढ़ी महिला का किरदार क्यों निभा रही हैं। पीटीआई के साथ बातचीत में मोना ने कहा, 'मैंने कभी भी अपनी ऑन-स्क्रीन एज की परवाह नहीं की क्योंकि मैं बहुत कॉन्फिडेंट हूं और मुझे पता है कि मैं कौन हूं। मुझे कुछ भी साबित नहीं करना है, इसीलिए मैं रिस्क लेती रहती हूं। लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं, 'आप स्क्रीन पर इतनी बूढ़ी क्यों दिखती हैं?' मैं कहती हूं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह वह किरदार है जो मैं निभा रही हूं और यह मुझे सच में बहुत एक्साइट करता है। मोना सिंह को बड़े पर्दे पर बूढ़ी महिला का किरदार निभाने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन

उन्हें इस बात का दुख होता है कि मर्द 60 की उम्र में भी रोमांटिक लीड रोल्स में हैं, जबकि महिलाएं ऐसा नहीं कर सकती हैं। बकौल एक्ट्रेस, 'लोग ऐसा सोचते हैं। आप देखो, सिर्फ इसी इंडस्ट्री में महिलाओं की एक एक्सपायरी डेट होती है और यह बहुत दुख की बात है। जबकि 60 साल के आदमी अभी भी रोमांटिक लीड रोल कर सकते हैं, महिलाएं नहीं कर सकतीं। लेकिन मैंने कभी इस बारे में ज्यादा परवाह नहीं की क्योंकि मैं वैसी बनना ही नहीं चाहती थी।

उइगर मुसलमानों के हिरासत कैंप की वीडियो बनाई थी, जज बोले- वापस भेजने पर जान का खतरा

चीन की पोल खोलने वाले को अमेरिका में मिली शरण

निर्णय

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

चीन में उइगर मुसलमानों पर हो रहे अत्याचार की पोल खोलने चीनी वाले नागरिक को अमेरिका में शरण मिल गई है। जज ने कहा कि अगर गुआन को चीन वापस भेजा गया तो उन्हें जान का खतरा हो सकता है।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, गुआन हेंग ने शिनजियांग इलाके में हो रहे मानवाधिकार उल्लंघन को उजागर किया था। उसने 2020 में हिरासत केंद्रों की छुपकर फिल्म बनाई थी। गुआन 2021 में गैरकानूनी तरीके से अमेरिका पहुंचा था। अगस्त 2025 में उसे हिरासत

चीन में उइगर मुसलमान अपने अस्तित्व के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। चीनी सरकार ने 2014 से सरकारी नौकरी करने वाले उइगर मुसलमानों के सार्वजनिक जगहों पर नमाज पढ़ने और दाढ़ी रखने पर पाबंदी लगाई हुई है।

में ले लिया गया। मानवाधिकार समूहों का कहना है कि शिनजियांग में दस लाख से ज्यादा उइगर मुसलमानों और अल्पसंख्यकों को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के जबरदस्ती बंदी बनाकर रखा गया है। गुआन ने शिनजियांग इलाके के हिरासत केंद्रों की वीडियो फुटेज ली और पब्लिश करने के लिए चीन छोड़ दिया। गुआन ने अमेरिका पहुंचने से कुछ दिन पहले वीडियो जारी किया था। उन्होंने ज्यादातर वीडियो यूट्यूब पर जारी किए, जिसके बाद चीन में पुलिस ने उनके पिता से तीन बार पूछताछ की और उनके बारे में जानकारी मांगी। गुआन 2021 में हांगकांग, इक्वाडोर, बहामास होते हुए अवैध तरीके ले नाव से फ्लोरिडा पहुंचे थे। उन्होंने कोर्ट में कहा कि वे जानते थे कि चीन में रहते हुए ये फुटेज जारी करना सुरक्षित नहीं होगा। बुधवार की सुनवाई में जज ने पूछा कि "क्या उसने शरण पाने के लिए हिरासत केंद्रों की फिल्म बनाई और अमेरिका पहुंचने से पहले वीडियो उसे जारी किया"।

गुआन के वकील बोले- शरण देना अमेरिका की नैतिक जिम्मेदारी

अमेरिका पहुंचने के बाद गुआन ने शरण के लिए आवेदन किया। 2021 से 2025 तक के बीच वे अमेरिका में ही रह रहे थे, उन्हें वर्क परमिट मिल गई थी। वे न्यूयॉर्क राज्य में बस गए। वहां उन्होंने दो नौकरियां कीं और सामान्य जीवन जी रहे थे।

अगस्त में ट्रम्प प्रशासन की बड़े पैमाने पर निर्वासन अभियान के तहत उन्हें हिरासत में ले लिया गया। शुरुआत में अमेरिकी विभाग ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी उन्हें युगांडा भेजने की कोशिश कर रहा था, लेकिन दिसंबर में अलग मामला होने के कारण प्लान टाल दिया गया।

अमेरिका में लोग चीनी नागरिक गुआन का समर्थन कर रहे हैं और उसे शरण देने की मांग कर रहे हैं।

दावा- चीन के कैंप से भागने वालों को गोली मारने का आदेश

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में कई पुलिस फाइलें मिली थीं। इनमें कैंपों के इस्तेमाल की डिटेल थी। इनमें हथियारबंद अधिकारियों का रूटीन बताया गया था। उन्हें भागने की कोशिश करने वालों के लिए गोली मारने तक का अधिकार दिया गया था। कैंपों से भागने वाले लोगों ने शारीरिक, मानसिक और यौन हिंसा की रिपोर्ट दी है। महिलाओं ने सामूहिक बलात्कार के आरोप भी लगाए हैं।

ईयू से एफटीए के बाद भारत के लिए एक और खुशखबरी

अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर सिर्फ औपचारिकता बाकी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर दोनों देश के बीच तनाव कम होता दिख रहा है। बुधवार को शीर्ष अधिकारियों ने बताया कि भारत और अमेरिका ने अपने चल रहे व्यापार समझौते वार्ता बहुत महत्वपूर्ण प्रगति की है और दोनों देश जल्द ही किसी ठोस नतीजे पर पहुंच सकते हैं।

दरअसल, एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते पर भारत द्वारा राजनीतिक सहमति बनने के बावजूद अमेरिकी पक्ष पर काम जारी है। भारत-अमेरिका के बीच समझौता अपने अंतिम चरण में है और जल्द ही दोनों देशों के बीच पॉजिटिव रिजल्ट मिलने की उम्मीद है। यूरोपीय संघ के साथ समझौते के अंतिम चरण के दौरान दोनों वार्ताकार दल लगातार संपर्क में रहें। व्यापार वार्ताकार अपने अमेरिकी

समकक्षों के साथ भी संपर्क में थे। फिलहाल अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील को लेकर बातचीत जारी है। भारत ने अपनी तरफ से प्रस्ताव रख दिए हैं। अब इस समझौते को आगे बढ़ाना अब वाशिंगटन पर निर्भर है।

सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, बातचीत का असली विवरण अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (USTR) और उनकी टीम को पता है। न कि उन लोगों को जो सार्वजनिक रूप से बयान दे रहे हैं। एक सीनियर अफसर ने कहा कि भारत को जो देना था, वह दे चुका है। अब गेंद अमेरिका के पाले में है।

फास्ट न्यूज

'भारत-पाकिस्तान संघर्ष में बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई ट्रंप की भूमिका'

नई दिल्ली। एक प्रभावशाली अमेरिकी सीनेटर मार्क वार्नर ने कहा है कि इस बात को बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया है कि राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप प्रशासन ने अकेले ही भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष को खत्म करवाया था। इन दावों से संघर्ष के समाधान की वास्तविकता खो जाने का खतरा है। उन्होंने चेताया कि इस तरह की बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई बातें क्षेत्रीय कूटनीति के संवेदनशील मोड़ पर तनाव बढ़ा रही हैं।

सेंसेक्स 221अंक चढ़कर 82,566 पर बंद

मुंबई । शेयर बाजार में आज यानी 29 जनवरी को तेजी रही। सेंसेक्स 221 अंक की तेजी के साथ 82,566 के स्तर पर बंद हुआ है। निफ्टी में भी करीब 73 अंक की तेजी रही, ये 25,416 के स्तर पर बंद हुआ है। आज के कारोबार में ऑटो, फार्मा और IT शेयर्स में गिरावट रही। एशियाई बाजारों में कोरिया का कोस्पी 0.98% बढ़कर 5,221 पर और जापान का निक्केई इंडेक्स 0.032% चढ़कर 53,375 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.51% चढ़कर 27,968 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.16% चढ़कर 4,157 पर बंद हुआ। 28 जनवरी को अमेरिकी बाजार डाउ जोन्स 0.02% चढ़कर 49,015 पर बंद हुआ।

बांग्लादेश में चुनाव से पहले बढ़ी हिंसा

नई दिल्ली। बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव के लिए प्रचार अभियान जैसे-जैसे तेज हो रहा है, देश भर में हिंसा की घटनाएं भी भयावह रूप लेती जा रही हैं। उम्मीदवारों और सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों ने चुनावी प्रक्रिया की शुचिता और सुरक्षा पर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चुनाव प्रचार की शुरुआत से ही गोलीबारी, चाकूबाजी और तोड़फोड़ की घटनाओं में कई लोगों की मौत हो चुकी है ।

प्रमुख वैश्विक मीडिया संस्थानों ने भारत - ईयू एफटीए के दायरे, महत्वाकांक्षा और इसके रणनीतिक समय को रेखांकित किया है

भारत - यूरोपीय संघ एफटीए को लेकर वैश्विक मीडिया और नेताओं की सराहना

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ (EU) के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (FTA) को लेकर दुनियाभर में जोरदार और सकारात्मक प्रतिक्रियाएँ सामने आई हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया, विदेशी राजनीतिक नेतृत्व, वैश्विक कारोबारी जगत और प्रतिष्ठित नीति विशेषज्ञों ने इस समझौते की सराहना की है। इस डील को आर्थिक और भू-राजनीतिक दोनों ही दृष्टियों से ऐतिहासिक, रणनीतिक और समयानुकूल बताया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया

द टेलीग्राफ में जेम्स क्रिस्प के लेख 'Modi is real winner in 'mother of all trade deals' with EU' में इस समझौते

को "मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स" बताया गया और कहा गया कि इसमें भारत वास्तविक रणनीतिक विजेता बनकर उभरा है। अख़बार ने लिखा कि इस डील के तहत भारत, EU से आने वाले 96.6% उत्पादों पर शुल्क खत्म या कम करेगा, जबकि EU सात वर्षों में भारत से आने वाले 99.5% उत्पादों पर शुल्क घटाएगा।

ब्लूमबर्ग में डैन स्ट्रम्पफ के लेख 'All Roads Lead to Modi as World Hedges Trump' में कहा गया कि भारत–EU के बीच हुई यह "मदर ऑफ ऑल डील्स" एक नए वैश्विक रुझान को दर्शाती है, जिसमें दुनिया के देश भारत को भरोसेमंद साझेदार के रूप में देख रहे हैं।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इसे वैश्विक टैरिफ अस्थिरता के बीच मध्यम शक्तियों की प्रतिक्रिया बताया और कहा कि अमेरिकी व्यापार नीतियों से पैदा हुई अनिश्चितता के बीच भारत और EU अपने गठबंधनों का विस्तार कर रहे हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस बात पर ज़ोर दिया कि लगभग दो दशकों की बातचीत के बाद दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक समूह और सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था एक साथ आई हैं।

द वॉशिंगटन पोस्ट ने इसे ऐतिहासिक समझौता बताते हुए हेडलाइन दी—

'India and EU clinch the ₹mother of all deals in a historic free trade agreement'।

विदेशी नेता

यूरोप के कई वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं ने सार्वजनिक रूप से इस समझौते का स्वागत किया।

जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने इसे "बहुत सकारात्मक संकेत" बताते हुए इसके शीघ्र क्रियान्वयन पर ज़ोर दिया।

फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्ज़ेंडर स्टब ने इसे ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह अब तक का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है, जो आर्थिक और राजनीतिक संबंधों को मज़बूत करेगा।

स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने कहा कि यह समझौता सहयोग के एक नए युग की शुरुआत है।

ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर ने कहा कि यह दो अरब लोगों के लिए एक मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाता है।

डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोक्के रासमुसेन ने इसे भू-राजनीतिक रूप से बेहद अहम बताया।

फ्रांस के विदेश व्यापार मंत्री निकोलस फोरिसियर ने कहा—"यह कोई सामान्य समझौता नहीं है।"

यूरोपीय संसद सदस्य सैंड्रो गोज़ी ने कहा कि यह समझौता EU की रणनीतिक स्वायत्तता और भारत की वैश्विक भूमिका को दर्शाता है।

द गार्जियन ने लिखा—

'Mother of all deals': EU and India sign free trade agreement'।

ब्लूमबर्ग की एक अन्य रिपोर्ट में गहरे सप्लाई-चेन एकीकरण की संभावनाओं पर चर्चा की गई, जिसमें बताया गया कि कारों पर शुल्क 100% से अधिक से घटकर 10% तक आ जाएगा और ऑटो कंपोनेंट्स पर शुल्क पूरी तरह खत्म होगा।

अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ और थिंक टैंक

वैश्विक नीति विशेषज्ञों ने इस समझौते को मज़बूत और रणनीतिक बताया।

CSIS के रिचर्ड रोसो ने कहा कि यह डील दुनिया की एक-चौथाई आबादी को जोड़ती है।

अटलांटिक काउंसिल के माइकल कुगेलमैन ने इसे "सही समय पर सही समझौता" कहा।

भू-राजनीतिक रणनीतिकार वेलिना चकारोवा ने इसे दशक के सबसे महत्वपूर्ण भू-आर्थिक समझौतों में से एक बताया।

कील इंस्टीट्यूट के अनुसार, इससे द्विपक्षीय व्यापार 41–65% तक बढ़ सकता है।

यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस और IISS ने भी इसे भारत की खुली अर्थव्यवस्था की दिशा में बड़ा कदम बताया।

कारोबारी जगत और संगठन

यूरोप और दुनिया के प्रमुख कारोबारी नेताओं ने इसे लंबे समय से प्रतीक्षित सफलता बताया।

एयरबस इंडिया के प्रमुख युर्गेन वेस्टरमायर ने इसे 20 वर्षों की चर्चा के बाद आया "बड़ा क्षण" कहा।

एयरबस इंटरनेशनल के अध्यक्ष वाउटर वैन वर्श ने इसे "शानदार दिन" बताया।

बर्लिन चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन स्टिट्ज़ेल ने कहा कि भारत अब भविष्य नहीं, वर्तमान का बाज़ार है।

गवर्नर ने अगले साल मई तक रोक लगाई, 15 हजार भारतीयों पर असर पड़ेगा

अमेरिका- टेक्सास में नए एच 1 बी वीजा जारी नहीं होंगे

टेक्सास, एजेंसी

अमेरिका के अहम राज्य टेक्सास में नए H-1B वीजा जारी करने पर रोक लगा दी गई है। गवर्नर ग्रेग एबट ने अगले साल मई तक H-1B कैटेगरी के वीजा जारी नहीं करने के आदेश दिए हैं।

पहले फेज में टेक्सस के सभी सरकारी दफ्तरों और यूनिवर्सिटी में यह रोक लगेगी। इस आदेश से करीब 15 हजार भारतीयों पर असर पड़ सकता है।

टेक्सास वर्कफोर्स कमीशन से सभी H-1B वीजा होल्डर्स की संख्या, जॉब रोल, मूल देश और वीसा एक्सपायरी के बारे में 27 मार्च तक डेटा रिपोर्ट मांगी गई है। नए आदेशों के अनुसार H-1B वीजा पर

रोक इसके कथित दुरुपयोग के कारण लगाई गई है।

टेक्सास ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी का राज्य है। ये अमेरिका फर्स्ट की नीति को फॉलो करता है। जानकारों का कहना है कि भारत-ईयू डील के तुरंत बाद टेक्सास के फैसले की टाइमिंग सवाल पैदा करती है।

वहीं, वैध वीजा जारी रहेगा, लेकिन रिन्यू कराने में दिक्कतें आ सकती हैं। अभी प्राइवेट कंपनियों को वीजा जारी होंगे, लेकिन जिस प्रकार से सभी के डेटा जमा हो रहे, आशंका उठ रही है। टेक्सास नए वीजा अगले साल मई तक यानी राज्य संसद की अवधि तक नहीं देगा। ऐसे में, इसे फेडरल कोर्ट में ही चुनौती दी जा सकती है। 20 राज्य पहले ही चुनौती दे चुके।

2.77 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी वाला टेक्सास दुनिया की 8वीं सबसे बड़ी इकोनॉमी है। ये कनाडा, इटली, द. कोरिया, रूस और ऑस्ट्रेलिया से भी बड़ी इकोनॉमी है। टेक्सास का ऑस्टिन शहर बड़ा टेक हब है।

टेक्सास एच-1 बी वीजा जारी करने वाला दूसरा बड़ा राज्य

टेक्सास H-1B वीजा जारी करने वाला अमेरिका का दूसरा बड़ा राज्य है। पहले नंबर पर कैलिफोर्निया आता है। अमेरिका में हर साल भारतीयों को मिलने वाले लगभग दो लाख H-1B वीजा में से लगभग 40 हजार टेक्सास में जारी होते हैं। इनमें से लगभग 25 हजार आईटी कंपनियों और बाकी 15 हजार सरकारी दफ्तरों और यूनिवर्सिटीज के लिए जारी किए जाते हैं। ऑस्टिन यूनिवर्सिटी में बड़ी संख्या में भारतीय कार्यरत हैं।

भारत में वीजा इंटरव्यू डेट अब अगले साल की

भारत में H-1B वीजा इंटरव्यू के लिए अमेरिकी दूतावासों से इंटरव्यू डेट अब अगले साल अप्रैल-मई की मिल रही है। जनवरी में स्टैम्पिंग के लिए अप्लाई करने वालों के लिए स्लॉट उपलब्ध नहीं है। दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई और हैदराबाद के अमेरिकी दूतावासों में H-1B के लिए सोशल मीडिया जांच हो रही है। H-1B वीजा होल्डर्स को हर दूसरे साल स्टैम्पिंग के लिए अपने मूल देश आना पड़ता है। स्टैम्पिंग में देरी से बड़ी संख्या में लोग अटक गए हैं।

मानव तस्करी और साइबर क्राइम पर चीन की बड़ी कार्रवाई

म्यांमार के मिंग गिरोह के 11 गुर्गों को फांसी पर लटकाया

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑनलाइन धोखाधड़ी और मानव तस्करी के खिलाफ चीन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। चीन ने म्यांमार के कुख्यात 'मिंग परिवार' के 11 सदस्यों को फांसी की सजा दी है। अपहरण और ऑनलाइन धोखाधड़ी के दोषी पाए गए 'मिंग परिवार' के 11 सदस्यों गुरुवार को फांसी दी गई। दरअसल, चीनी सरकारी मीडिया ने गुरुवार को बताया कि चीन ने कुख्यात मिंग परिवार के आपराधिक गिरोह के 11 सदस्यों को फांसी दे दी है। इन अपराधियों द्वारा म्यांमार के सीमावर्ती इलाकों में 'स्कैम सेंटर' चलाए जाते थे। , जहां बंधक बनाए गए मजदूरों की हत्या और प्रताड़ना के जरिए अरबों डॉलर का काला कारोबार किया जा रहा था। CNN की रिपोर्ट के अनुसार, मिंग परिवार उत्तरी म्यांमार के तथाकथित चार परिवारों में से एक था- ये ऐसे आपराधिक गिरोह थे, जिन पर

इंटरनेट धोखाधड़ी, वेश्यावृत्ति और मादक पदार्थों के उत्पादन से जुड़े सैकड़ों परिसरों को चलाने का आरोप था, और जिनके सदस्य स्थानीय सरकार और म्यांमार के सत्तारूढ़ सैन्य शासन से जुड़े मिलिशिया में प्रमुख पदों पर थे। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, जिन 11 लोगों को फांसी दी गई, उन्हें सितंबर में हत्या, अवैध हिरासत और धोखाधड़ी सहित विभिन्न अपराधों में दोषी पाए जाने के बाद मौत की सजा सुनाई गई थी।

मिंग जुचांग के नेतृत्व वाला यह आपराधिक गिरोह लंबे समय से म्यांमार की चीन सीमा से लगे स्वायत्त क्षेत्र कोकांग में स्थित कुख्यात परिसर 'क्राउचिंग टाइगर विला' से जुड़ा हुआ था।

कीमत : चांदी तीन दिन में 68,228 महंगी, 3.86 लाख हुई, दोनों ऑल टाइम हाई पर

सोना एक दिन में 11,486 बढ़कर 1.76 लाख पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

चांदी-सोने के दाम लगातार चौथे दिन अपने सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, आज 29 जनवरी को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 11,486 रुपए बढ़कर 1,76,121 रुपए पर पहुंच गया है। तीन दिन में सोना 21,811 महंगा हुआ है। इससे पहले सोने का भाव 23 जनवरी को 1,54,310 रुपए/10g था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 27,666 रुपए बढ़कर 3,85,933 रुपए किलो पर पहुंच गई है। तीन दिन में चांदी की कीमत 68,228 रुपए महंगी हुई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 3,17,705 रुपए किलो

थी। इस साल अब तक सिर्फ 29 दिन में ही चांदी 1.55 लाख रुपए और सोना 43 हजार रुपए महंगा हो चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की जिद और इस मुद्दे पर यूरोपीय देशों को टैरिफ की धमकी ने वैश्विक बाजारों बाजारों अस्थिरता बढ़ गई है। जब भी दुनिया में ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ता है, निवेशक शेयर बाजार से पैसा निकालकर सुरक्षित निवेश यानी सोने की ओर भागते हैं। भारत में सोने की कीमत केवल वैश्विक दरों पर नहीं, बल्कि डॉलर-रुपया एक्सचेंज रेट पर भी निर्भर करती है। आज रुपया डॉलर के मुकाबले 91.10 के ऑल-टाइम लो पर है। LKP सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी के अनुसार, रुपए की कमजोरी की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खरीदे जाने वाले सोने की लैंडिंग कॉस्ट भारत में बहुत महंगी हो गई है, जिससे घरेलू बाजार में कीमतें 1.5 लाख के पार निकल गईं। दुनिया भर के केंद्रीय बैंक (जैसे भारत का RBI) अपने विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने के लिए सोने का स्टॉक बढ़ा रहे हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में रिकॉर्ड खरीदारी के बाद 2026 की शुरुआत में भी सेंट्रल बैंकों की मांग मजबूत बनी हुई है, जिससे सप्लाई कम और डिमांड ज्यादा होने के कारण कीमतें बढ़ रही हैं।

अलग-अलग शहरों में रेट्स अलग क्यों होते हैं?

IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल RBI सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं। इस साल जनवरी के 29 दिन में ही सोने की कीमत 42,926 रुपए बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,33,195 रुपए का था, जो अब 1,76,121 रुपए हो गया है। वहीं, चांदी 1,55,513 रुपए महंगी हो गई है। 31 दिसंबर 2025 को एक किलो चांदी की कीमत 2,30,420 रुपए थी, जो अब 3,85,933 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है।

चांदी में तेजी के 3 प्रमुख कारण

इंडस्ट्रियल डिमांड -सोलर, इलेक्ट्रॉनिक्स और ईवी में भारी इस्तेमाल, चांदी अब सिर्फ ज्वेलरी नहीं, जरूरी कच्चा माल बन गई है।

ट्रंप का टैरिफ डर - अमेरिकी कंपनियां चांदी का भारी स्टॉक जमा कर रही हैं, ग्लोबल सप्लाई में कमी से कीमतें ऊपर चढ़ीं।

मैन्युफैक्चरर होड़ में - प्रोडक्शन रुकने के डर से सभी पहले से खरीद रहे हैं, इसी वजह से आने वाले महीनों में भी तेजी बनी रहेगी।

इटली के सिसिली में भयानक लैंडस्लाइड

4 किलोमीटर लंबी चट्टान खिसकी

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिणी इटली के सिसिली द्वीप पर स्थित निस्केमी शहर इस समय भयंकगर त्रासदी झेल रहा है। तूफान हेरी की वजह से हुई बारिश और लैंडस्लाइड के कारण शहर का एक बड़ा हिस्सा धीरे-धीरे खाई की ओर धंस रहा है। इसके कारण शहर के कई घर किनारें चट्टान के किनारे लटक गए हैं।

इटली के सिसिली द्वीप पर निस्केमी शहर में भारी बारिश और लैंडस्लाइट के कारण 4 किलोमीटर लंबी चट्टान ढह गई। लैंडस्लाइट अभी भी जारी है। इटली के नागरिक सुरक्षा विभाग प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को स्थायी रूप से दूसरी शिफ्ट करने की योजना बना रही है।

स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर अब तक 1,500 से अधिक

लोगों को उनके घरों से सुरक्षित बाहर निकाला है। फिलहाल किसी के मौत या घायल होने की खबर नहीं है, लेकिन स्थिति बहुत गंभीर है। गौरतलब है कि दक्षिण-मध्य सिसिली में स्थित निस्केमी शहर एक पठार पर बसा है। जो अब धीरे-धीरे मैदान की ओर धंस रहा है। ढलान के बड़े-बड़े हिस्से धंस जाने के बाद इमारतें किनारे पर लटक रही थीं। एक कार का अगला हिस्सा खाई में धंसा हुआ था।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96